सांध्य दैनिक

नई दृष्टिबिंदु

सच की शक्ति, जनता की दृष्टि

PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

वर्ष-01 अंक-60 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, बुधवार 21 मार्च 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य -2 रुपए,

सु-विचार

बेहतर बनना जरूरी
साबित करना जरूरी नहीं.....!
अज्ञात...

मोदी और वरुण की मुलाकात से राजनीतिक हलचल तेज, पुरानी दूरी खत्म होने के संकेत?

विशेष संवाददाता संदीप सिंह /नईदिल्ली

भारतीय राजनीति में तस्वीरें अक्सर शब्दों से ज्यादा बोलती हैं। हाल ही में वरूण गांधी का अपने परिवार के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मिलना भी एक ऐसी ही तस्वीर है, जिसने सियासी गलियारों में नई बहस छेड़ दी है। यह मुलाकात महज औपचारिक शिष्टाचार है या आने वाले समय की किसी बड़ी रणनीति का संकेत, यही सवाल आज सबसे ज्यादा चर्चा में है।

वरुण गांधी का राजनीतिक सफर हमेशा से अलग राह पर चलता दिखा है। भाजपा के भीतर रहते हुए भी उन्होंने कई मौकों पर पार्टी लाइन से हटकर अपनी बात रखी। किसान आंदोलन हो, महंगाई का मुद्दा हो या बेरोजगारी, उन्होंने खुलकर सरकार की आलोचना की। यही कारण रहा कि समय के साथ वे पार्टी के मुख्य धारा से दूर होते चले गए और 2024 के चुनाव में टिकट कटना उस दूरी का सार्वजनिक संकेत बन गया।

ऐसे में प्रधानमंत्री से उनकी यह मुलाकात कई मायनों में अहम हो जाती है। यह बताती है कि राजनीति में दरवाजे कभी पूरी तरह बंद नहीं होते। नरेन्द्र मोदी की राजनीतिक शैली का एक पहलू यह भी रहा है कि वे व्यक्तिगत आलोचनाओं को दरकिनार कर रणनीतिक फैसले लेते हैं। यदि उन्हें लगता है कि किसी व्यक्ति की राजनीतिक उपयोगिता है, तो पुराने मतभेद बाधा नहीं बनते। इस मुलाकात के पीछे एक सांकेतिक परत और भी है, वरुण गांधी की पारिवारिक पृष्ठभूमि। उनकी पत्नी यामनी गांधी का संबंध स्वतंत्रता सेनानी चितरंजन दास और क्रांतिकारी परंपरा से जुड़ा है। यह **बंगाल कनेक्शन** भी राजनीतिक विश्लेषण का हिस्सा बन रहा है, खासकर तब जब राष्ट्रीय राजनीति में क्षेत्रीय संतुलन एक महत्वपूर्ण कारक बन चुका है।

दूसरी ओर, यह भी सच है कि वरुण गांधी की राजनीतिक स्थिति फिलहाल अस्पष्ट है। वे न तो पूरी तरह भाजपा की मुख्यधारा में दिखते हैं, न ही किसी अन्य दल में। कांग्रेस में संभावित एंट्री की चचाएं जरूर होती रही हैं, लेकिन वहां राहुल गांधी और प्रियंका गांधी की मौजूदगी में उनके लिए जगह बनना आसान नहीं माना जाता। कांग्रेस पहले ही नेतृत्व और परिणामों को लेकर सवालों से घिरी है, ऐसे में एक और गांधी का प्रवेश आंतरिक संतुलन को और जटिल बना सकता है।

इस पूरे घटनाक्रम का सबसे महत्वपूर्ण संदेश यही है कि भारतीय राजनीति में स्थायी कुछ भी नहीं है। विरोध, आलोचना, दूरी, सब कुछ समय के साथ बदलता है। जो नेता कल तक तीखे हमलावर थे, वही आज संवाद की टेबल पर नजर आते हैं। यह न तो केवल अवसरवाद है, न ही केवल रणनीति, यह राजनीति का स्वभाव है।

मोदी-वरुण मुलाकात को इसी व्यापक संदर्भ में देखना होगा। यह मुलाकात अगर केवल शिष्टाचार है, तो भी उसका संदेश गहरा है। और यदि इसके पीछे कोई रणनीतिक सोच है, तो आने वाले समय में इसके परिणाम भी सामने आएंगे।

फिलहाल इतना तय है कि सियासत में वापसी की राह कभी बंद नहीं होती—सिर्फ समय और परिस्थितियां तय करती हैं कि कौन, कब और कैसे उस राह पर लौटता है।

500 करोड़ के काम पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप, छुईखदान जल संसाधन संभाग जांच के घेरे में

सीएम तक पहुंची शिकायत के बाद हरकत में प्रशासन, रिश्वत, फर्जी बिल और बिना काम भुगतान के आरोपों से हड़कंप

नई दृष्टिबिंदु/खैरागढ़

छत्तीसगढ़ के खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले में जल संसाधन विभाग का एक बड़ा मामला सामने आया है, जहां लगभग 500 करोड़ रुपये के निर्माण कार्यों में व्यापक भ्रष्टाचार के आरोप लगे हैं। जल संसाधन संभाग छुईखदान पर लगे इन आरोपों ने प्रशासनिक व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

सेवानिवृत्त कर्मचारी एसके उपाध्याय द्वारा की गई शिकायत के बाद मामला सीधे मुख्यमंत्री कार्यालय तक पहुंचा, जहां से इसे गंभीरता से लेते हुए जांच के निर्देश जारी किए गए हैं। प्रमुख अभियंता, जल संसाधन विभाग को पूरे प्रकरण की जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा गया है।

सबसे गंभीर आरोपों में शामिल हैं

ग्रेच्युटी भुगतान के बदले 55 हजार रुपये रिश्वत मांगना बिना कार्य कराए कागजों में काम दिखाकर भुगतान लेना फर्जी बिल, ड्राइंग और डिजाइन के नाम पर राशि निकालना निविदा प्रक्रिया में ठेकेदारों के साथ मिलीभगत 4 करोड़ मरम्मत राशि कागजों में खर्च का दावा-शिकायतकर्ता ने दावा किया है कि वार्षिक मरम्मत और संधारण के लिए मिले लगभग 4 करोड़ रुपये का जमीनी स्तर पर कोई कार्य नहीं हुआ। पूरा खर्च कागजों में दिखाकर राशि का बंदरबांट कर लिया गया।

500 करोड़ के कार्यों में सिस्टमेटिक खेल का आरोप

शिकायत के अनुसार वर्ष 2023-24 से 2025-26 के बीच करीब 500 करोड़ रुपये विभिन्न निर्माण कार्यों के लिए स्वीकृत हुए। आरोप है कि इस भारी-भरकम राशि का उपयोग पारदर्शी तरीके से नहीं हुआ, बल्कि अधिकारियों और कर्मचारियों की मिलीभगत से बड़े पैमाने पर अनियमितताएं की गईं। रिश्वत से लेकर फर्जी बिल तक-गंभीर आरोपों की लंबी सूची मामले में कई अधिकारियों-कर्मचारियों के नाम सामने आए हैं, जिन पर आरोप है कि उन्होंने मिलकर पूरा नेटवर्क खड़ा कर रखा था।

सरकारी वाहन का दुरुपयोग और फर्जी लॉगबुक

कार्यपालन अभियंता पर आरोप है कि वे मुख्यालय से बाहर रहते हुए भी सरकारी वाहन का निजी उपयोग कर रहे थे। लॉगबुक में फर्जी एंट्री कर ईंधन और मरम्मत के नाम पर लाखों रुपये खर्च दिखाए गए, यहां तक कि निजी वाहनों में भी सरकारी खर्च से ईंधन डलवाने की बात कही गई है।

मुख्यालय से अनुपस्थिति, गुणवत्ता पर उठे सवाल

शिकायत में यह भी कहा गया है कि जिम्मेदार अधिकारी नियमित रूप से मुख्यालय में उपस्थित नहीं रहते, जिससे करोड़ों के निर्माण कार्यों की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है। आरोप है कि कार्यों में लीपापोती कर मानकों से समझौता किया गया।

कमीशन सिस्टम और नियम विरुद्ध कार्य आवंटन

प्रकरण में एक संगठित कमीशन तंत्र चलने का भी आरोप लगाया गया है, जिसमें अधिकारियों के बीच समन्वय कर लेन-देन किया जाता था। इसके अलावा कई कर्मचारियों को नियमों के विपरीत अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपे जाने और संलग्नीकरण में अनियमितता की बात भी सामने आई है।

संपत्ति जांच और एफआईआर की मांग

शिकायतकर्ता ने सभी संबंधित अधिकारियों-कर्मचारियों की संपत्ति की जांच, आय के स्त्रोतों का सत्यापन और पूरे मामले की स्वतंत्र एजेंसी से जांच कराने की मांग की है। साथ ही दोषियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की भी मांग उठाई गई है।

आशीष राय को पीएचडी की उपाधि

बिलासपुर। डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय बिलासपुर के विज्ञान संकाय अंतर्गत वनस्पति विज्ञान विभाग के शोधार्थी आशीष राय को पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई है। उन्होंने अपना शोध कार्य छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले के आदिवासी समुदाय द्वारा घावों के उपचार में उपयोग की जाने वाली औषधीय वनस्पतियों पर केंद्रित किया। यह शोध कार्य उन्होंने डॉ. अमित शर्मा (एसोसिएट प्रोफेसर) के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक पूर्ण किया।अपने शोध के दौरान आशीष राय ने विशेष रूप से छुई मुई (लाजवंती) तथा सदाबहार पौधों की पत्तियों के उपयोग का अध्ययन किया, जिन्हें स्थानीय आदिवासी समुदाय घावों के उपचार में पारंपरिक रूप से प्रयोग करते हैं।यह शोध धमतरी जिले में इस प्रकार का पहला अध्ययन माना जाता है

टीएन नटराजन ने सेल निदेशक वाणिज्यिक का संभाला कार्यभार

नई दिल्ली । टी.एन. नटराजन ने 19 मार्च 2026 को स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (रअक्छ) के निदेशक (वाणिज्यिक) का पदभार ग्रहण किया। श्री नटराजन के पास उत्पादन, लॉजिस्टिक्स और विक्रय के क्षेत्र में 32 वर्षों से अधिक का लीडरशिप अनुभव है। उन्होंने वर्ष 1993 में एक 'मैनेजमेंट ट्रेनी' के रूप में सेल में शामिल हुए और विनिर्माण परिचालन, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन और रणनीतिक विपणन जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिकाएँ निभाई। उनके पास निरंतर कंपनी के विकास और बाजार विस्तार को सुनिश्चित करने का एक सिद्ध ट्रैक रिकॉर्ड है। इसमें क्षेत्रीय बिक्री को बढ़ाना, प्रमुख ग्राहकों के साथ संबंधों को मजबूत करना और बुनियादी ढांचे (इंफ्रास्ट्रक्चर), फैब्रिकेशन तथा तेल एवं गैस जैसे उच्च-मूल्य वाले क्षेत्रों में महत्वपूर्ण बढ़त हासिल करना शामिल है। उन्होंने सेल के मार्केटिंग दृष्टिकोण को कमोडिटी बेस्ड विक्रय से बदलकर समाधान-उन्मुख जुड़ाव में बदलने में अहम भूमिका निभाई है, जिसमें नवीन और ग्राहक-केंद्रित सेवा मॉडल की स्थापना शामिल है। श्री नटराजन को उच्च-प्रदर्शन वाली टीमों के निर्माण, वितरण नेटवर्क को मजबूत करने और रणनीतिक पहलों के माध्यम से ब्रांड की दृश्यता बढ़ाने के लिए भी जाना जाता है। उनके नेतृत्व ने बाजार हिस्सेदारी, लाभप्रदता और ग्राहकों के भरोसे को बेहतर बनाने में लगातार योगदान दिया है। श्री नटराजन अपने बहुमुखी नेतृत्व, रणनीतिक सोच और कार्यान्वयन उत्कृष्टता के लिए जाने जाते हैं।

अपने पांव पर खड़े होने में बेटियों की मदद करेगा स्वयंसिद्धा

मिशन विद् ए विजन द्वारा संस्था ने श्रमिक बस्तियों की बेटियों को देगी मदद

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

इस साल के अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस से छत्तीसगढ़ की अग्रणी महिला संस्था स्वयंसिद्धा ए मिशन विद ए विजन द्वारा श्रमिक बस्तियों में रहने वाली बेटियों को स्टार्टअप के लिए शुरूआती मदद दी जाएगी। संस्था के महिला दिवस उत्सव से इसका शुभारंभ किया गया।

संस्था की अध्यक्ष डॉ. सोनाली चक्रवर्ती ने बताया कि सन 2026 के अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का थीम है 'गिव एंड गेन' इसी थीम के अंतर्गत हमने उन लड़कियों की शुरूआती मदद करने का फैसला किया जो अपना खुद का काम शुरू करना चाहती हैं लेकिन उनके हाथ में पैसे नहीं है। हम इस वर्ष से प्रत्येक वर्ष कुछ बच्चियों को अपना काम शुरू करने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।उनको पैर रखने लायक जमीन बनाने में हम सहयोग और सहायता करेंगे। उल्लेखनीय है कि स्वयंसिद्धा 20 वर्षों से अधिक से महिलाओं की प्रतिभा को मंच एवं सम्मान देने का काम कर रही है इसके साथ ही स्वयंसिद्धा की स्लम क्लास 'कच्ची धूप' के द्वारा श्रमिक बस्तियों के बच्चों को नशे से दूर कर उनके व्यक्तित्व विकास के लिए निशुल्क कक्षाएं चलाई जाती है। स्वयंसिद्धा द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित एक सादे किंतु गरिमामय समारोह में इस बार शिल्पी शर्मा को हैंडमेड जूलरी का काम में शुरू करने के लिए स्टार्टअप मनी दी गई।

कार्यक्रम में राजश्री नायर, पुनीता कौशल,आरना कौशल, बिंदु नायक, लक्ष्मी साहू एवं रूमा दे ने नृत्य एवं रीता वैष्णव, रत्ना दुफारे, अनीता चक्रवर्ती, देबजानी मजूमदार एवं संध्या तिवारी ने सुमधुर गीतों की प्रस्तुति दी। वंदना नाडंबर एवं संगीता जायसवाल ने राधाकृष्ण के भेष में सबका मन मोह लिया।

स्वागत भाषण कार्यकारी अध्यक्ष रीता वैष्णव ने एवं धन्यवाद ज्ञापन रूखसाना शेख ने दिया। कार्यक्रम में अप्रैल माह में होने वाले 16वें स्थापना दिवस समारोह की चर्चा भी की गई जो इस बार महिला महासम्मेलन के रूप में मनाया जाएगा। कार्यक्रम में संस्था की सबसे वरिष्ठ सदस्य श्रीमती जानकी देवी को श्रद्धांजलि दी गई।

कार्यक्रम में ज्योति सिंह, राजकुमारी कनोजे, रत्ना दुफारे,प्रियंका सिंह, लक्ष्मी साहू,संध्या तिवारी, सुदेशना वर्धन,बनानी मैती,हेमा राई, पुनीता कौशल, रंजना सूरज, बिंदु नायक, रेखा साहू, सीमा लदेर,कमलेश आर्य,माधुरी वर्मा, नमिता त्रिपाठी, गीता चौधरी, ज्योति गांधी,राजश्री नायर, वर्षा कुमारी, रूमा दे, डॉ.सुचित्रा शर्मा, मंजू पाल, एवं डॉ.पूर्णिमा लाल के साथ भारी संख्या में महिलाएं उपस्थित थी। कार्यक्रम में संदीप चक्रवर्ती, हतेश कुमार मिथलेश, मेघा सबलोक एवं प्रेम यादव का विशेष सहयोग रहा।

निगम ने बकाया जलकर के रूप में 4 लाख रुपये जमा कराए

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा बकाया जलकर वसूली को लेकर अभियान चलाया जा रहा है। निगम प्रशासन ने आज 4 लाख रुपए निगम कोष में जमा कराये।

निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय के निर्देश पर राजस्व विभाग की टीम द्वारा बकायेदारों के विरूद्व लगातार कार्यवाही की जा रही है। टीम ने घर-घर संपर्क कर जलकर जमा कराने के लिए प्रेरित किया, वहीं लम्बे समय से बकाया रखने वाले उपभोक्ताओं को नोटिस भी जारी किये है। शहर में जलकर वसूली को और तेज करने के लिए विशेष अभियान जारी रहेगा। साथ ही नागरिकों से अपील है कि वे समय पर जलकर का भुगतान करें, ताकि दंडात्मक कार्यवाही से बजा जा सके और शहर की जल व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित होती रहे। निगम द्वारा आगे भी इसी तरह की सख्त कार्यवाही जारी रहेगा, जिससे राजस्व में वृद्वि हो सके और विकास कार्यो को गति मिले। इस दौरान राजस्व अधिकारी जे. पी. तिवारी, बेदखली प्रभारी विनय शर्मा, बेदखली सहायक हरिओम गुप्ता सहित वसूलीकर्ता एजेंसी के कर्मचारी उपस्थित रहे।

सांध्य दैनिक नई दृष्टिबिंदु में समाचार एवं विज्ञापन के लिए संपर्क करें : आलोक तिवारी मो-नं- 7415469100

सार समाचार

ऑलराउंडर जैक एडवर्ड्स आईपीएल से बाहर

● **नई दिल्ली।** इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 की शुरूआत से पहले चोटिल खिलाड़ियों की लिस्ट बढ़ रही है। इसी कड़ी मेंसनराइजर्स हैदराबाद को आईपीएल के 19वें सीजन से पहले एक और बड़ा झटका लगा है। ऑस्ट्रेलिया के युवा ऑलराउंडर खिलाड़ी जैक एडवर्ड्स पैर में चोट के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 से बाहर हो गए हैं। ईएसपीएनक्रिकइंफो के अनुसार 25 वर्षीय एडवर्ड्स को आईपीएल नीलामी के दौरान सनराइजर्स हैदराबाद एसआरएच ने तीन करोड़ रुपये में खरीदा था। वह 2025 की नीलामी में साइन किए जाने वाले एकमात्र अनकैप्ड विदेशी खिलाड़ी थे। इस सीजन में एडवर्ड्स अपना आईपीएल डेब्यू करते, लेकिन अब इसके लिए उन्हें इंतजार करना होगा।

कमेंटेटर शिवरामकृष्णन ने रंगभेद के आरोप लगाए

● **नई दिल्ली।** पूर्व भारतीय क्रिकेटर और दिग्गज कमेंटेटर लक्ष्मण शिवरामकृष्णन ने रंगभेद का आरोप लगाते हुए BCCI का कमेंट्री पैनल छोड़ दिया है। शिवरामकृष्णन ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा- 'मैं BCCI के लिए कमेंट्री से संन्यास ले रहा हूं। 60 साल के इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि 23 साल के करियर में उन्हें टॉस और प्रेजेंटेशन जैसे अहम मौकों के लिए इस्तेमाल नहीं किया गया, जिससे वे निराश थे। पूर्व लेग स्पिनर ने लिखा कि नए कमेंटेटरों को मौके मिलते रहे, जबकि उन्हें लंबे समय तक नजरअंदाज किया गया। शिवरामकृष्णन ने यह भी कहा कि उनके रिटायरमेंट के पीछे TV प्रोडक्शन से जुड़ी एक बड़ी कहानी है, जो जल्द सामने आएगी। एक यूजर द्वारा रंगभेद का मुद्दा उठाने पर उन्होंने इसे सही ठहराया।

आईपीएल में पहली बार सभी 10 टीमों के कप्तान भारतीय

● **नई दिल्ली।** IPL के 19 साल के इतिहास में पहली बार ऐसा होगा जब सभी 10 टीमों के कप्तान भारतीय होंगे। सनराइजर्स हैदराबाद के नियमित कप्तान पैट कमिंस के शुरूआती मैचों से बाहर होने के बाद फ्रेंचाइजी ने उनकी जगह ईशान किशन को कप्तानी सौंपी है। इसके साथ ही टूर्नामेंट के शुरूआती मुकाबलों में सभी टीमों की कमान भारतीय खिलाड़ियों के हाथ में होगी। पिछले सीजन में भी हैदराबाद के पैट कमिंस को छोड़कर बाकी सभी टीमों के कप्तान भारतीय ही थे। ईशान किशन पहली बार IPL में कप्तानी करते नजर आएंगे। मौजूदा 10 कप्तानों में 6 ऐसे हैं, जो अपनी पहली ट्रॉफी की तलाश में हैं। इनमें ऋतुराज गायकवाड़, रियान पराग, शुभमन गिल, अजिंक्य रहाणे, ईशान किशन और ऋषभ पंत शामिल हैं।

मार्च-अप्रैल 2027 में ऑस्ट्रेलिया महिला टीम की चुनौती के लिए तैयार होगी

भारतीय महिला टीम दिसंबर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन वनडे और एक टेस्ट मैच खेलेगी

■ एजेन्सी, **नई दिल्ली**

दक्षिण अफ्रीका महिला क्रिकेट टीम इस साल दिसंबर में मौजूदा विश्व कप चैंपियन भारतीय टीम की मेजबानी करेगी। इसके बाद अफ्रीकी महिला टीम का सामना ऑस्ट्रेलिया से होगा।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अनुसार भारतीय महिला टीम दिसंबर में आईसीसी महिला चैंपियनशिप 2025-29 चक्र के तहत तीन वनडे मैच खेलने के लिए दक्षिण अफ्रीका का दौरा करेगी। इस दौरे पर भारतीय टीम 20 से 23 दिसंबर तक दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एक टेस्ट मैच भी खेलेगी।

भारत के खिलाफ सीरीज खत्म होने के बाद दक्षिण अफ्रीका महिला टीम मार्च-अप्रैल 2027 में ऑस्ट्रेलिया महिला टीम की चुनौती के लिए तैयार होगी। दोनों टीमें पहले तीन टी-20 मैचों की सीरीज से शुरूआत करेंगी। इसके बाद तीन वनडे मैच खेले जाएंगे। आखिर में एक टेस्ट मैच भी शामिल है, जो 8 से 11 अप्रैल तक खेला जाएगा।

क्रिकेट साउथ अफ्रीका (सीएसए) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी फोलेत्सी मोसेकी ने कहा कि हमें दुनिया की दो अग्रणी टीमों भारत और ऑस्ट्रेलिया की मेजबानी करते हुए खुशी हो रही है। यह प्रोटियाज महिला टीम के लिए एक शानदार और रोमांचक घरेलू सीजन होने का वादा करता है।

दक्षिण अफ्रीका महिला टीम वर्तमान में न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में व्यस्त है, जो जून में इंग्लैंड और वेल्स में होने वाले आगामी आईसीसी महिला टी20 विश्व कप की तैयारियों का हिस्सा है।

कार्यक्रम इस प्रकार है

भारत के खिलाफ सीरीज

पहला वनडे - 9 दिसंबर, पोटचेफस्ट्रूम (दक्षिण अफ्रीका)दूसरा वनडे - 12 दिसंबर, ब्लोमफोंटेन (दक्षिण अफ्रीका)तीसरा वनडे - 15 दिसंबर, केप टाउन (दक्षिण अफ्रीका)एक टेस्ट मैच - 20 से 23 दिसंबर, गकेबेरहा (दक्षिण अफ्रीका)

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज

पहला टी20 मैच - 18 मार्च 2027, किम्बरली (दक्षिण अफ्रीका)दूसरा टी20 मैच - 21 मार्च 2027, बेनोनी (दक्षिण अफ्रीका)तीसरा टी20 मैच - 23 मार्च 2027, कुगोम्पो सिटी (दक्षिण अफ्रीका)पहला वनडे - 27 मार्च 2027, गकेबरहा (दक्षिण अफ्रीका)दूसरा वनडे - 31 मार्च 2027, पार्ल (दक्षिण अफ्रीका)तीसरा वनडे - 3 अप्रैल 2027, डरबन (दक्षिण अफ्रीका)एक टेस्ट मैच - 8 से 11 अप्रैल 2027, पोटचेफस्ट्रूम (दक्षिण अफ्रीका)

टॉम लैथम ने 55 गेंदों में नाबाद 63 रनों की पारी खेली

न्यूजीलैंड ने तीसरे टी-20 में दक्षिण अफ्रीका को 8 विकेट हराया, सीरीज में 2-1 से बढ़त

■ एजेन्सी, **ऑकलैंड (न्यूजीलैंड)**

गेंदबाजों के दमदार प्रदर्शन के बाद विकेटकीपर बल्लेबाज टॉम लैथम की नाबाद 63 रन की अर्धशतकीय पारी के दम पर न्यूजीलैंड ने शुक्रवार को दक्षिण अफ्रीका को तीसरे टी-20 मुकाबले में आठ विकेट से हरा दिया।

ऑकलैंड में खेले गए मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में नौ विकेट खोकर 136 रन बनाए। जवाब में न्यूजीलैंड ने 16.2 ओवरों में दो विकेट पर 137 रन बनाकर मुकाबला आठ विकेट से अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ न्यूजीलैंड ने पांच मैचों की सीरीज में 2-1 से बढ़त बना ली है।

137 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड के लिए टॉम लैथम और डेवोन कॉन्वे ने अच्छी शुरूआत दिलाई। दोनों ने पहले विकेट के लिए 96 रनों की साझेदारी की। दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर केशव महाराज ने 11वें ओवर में डेवोन कॉन्वे को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। कॉन्वे ने 26 गेंदों में चार चौके और दो छक्के कीम मदद से 39 रन बनाये।

टिम रॉबिन्सन 17 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इसके बाद निक केली ने एक रन लेते हुए टीम की जीत सुनिश्चित की। टॉम लैथम ने 55 गेंदों में सात चौके और दो छक्के जड़ते हुए नाबाद 63 रनों की पारी खेली। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका की बल्लेबाजी बेहद खराब रही और उसके नियमित अंतराल में विकेट गिरते रहे। टीम के लिए नकोबानी मोकोएना ने सबसे ज्यादा नाबाद 26 रन की पारी खेली। उनके अलावा जॉर्ज लिंडे ने 23, डियान फॉरेस्टर ने 17, गेराल्ड कोएत्जी ने 16, कॉनर एस्टरहुइजन और टोनी डी जोर्जी ने 15-15 रनों का योगदान दिया।

न्यूजीलैंड की ओर से कप्तान मिचेल सैंटनर, काइल जैमीसन और बेन सियर्स ने 2-2 विकेट चटकाए। लॉकी फर्ग्यूसन, जेम्स नीशम और कोल मैककॉन्ची ने 1-1 विकेट लिया। दोनों टीमों के बीच पांच मैचों की सीरीज का चौथा टी-20 मैच 22 मार्च को वेलिंगटन में खेला जाएगा।

दिल्ली मेरा दूसरा घर, खेलने के लिए बहुत उत्साहित हूं : अक्षर पटेल

■ एजेन्सी, **नई दिल्ली**

दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के कप्तान अक्षर पटेल ने कहा है कि वह दिल्ली आकर बहुत ही उत्साहित हैं और यह शहर उनका दूसरा घर बना गया है।

फ्रेंचाइजी ने शुक्रवार को सोशल मीडिया एक्स पर एक वीडियो जारी किया। इस वीडियो में अक्षर पटेल ने कहा कि दिल्ली में आके मजा आता है। अपना सा अहसास होता है। पिछले आठ साल से यहां आ रहा हूं तो यह मेरा दूसरा घर ही बन गया है।

स्टार ऑलराउंडर ने कहा कि दिल्ली में दोबारा खेलने के लिए बहुत ही उत्साहित हूं। पिछले साल जितना प्यार मिला और जब आप बहुत बड़ी उपलब्धि (टी20 विश्वकप ट्रॉफी) के बाद पहले घर (अहमदाबाद, गुजरात) से इतना प्यार लेकर दूसरे घर (दिल्ली) आ रहे हैं तो मुझे लगता है और प्यार मिलेगा। उसकी वजह से बहुत ही उत्साहित महसूस कर रहा हूं कि पहला मैच दिल्ली में खेलेंगे तो कैसा माहौल रहेगा। तो हां नर्वस हूं, लेकिन बहुत उत्साहित भी हूं।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 की शुरूआत 28 मार्च से हो रही है। अक्षर पटेल की कप्तानी वाली दिल्ली कैपिटल्स अपने अभियान का आगाज एक अप्रैल को लखनऊ के इकाना स्टेडियम में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ करेगी। दिल्ली अब तक कोई भी आईपीएल खिताब नहीं जीत पाई है। ऐसे में उसे अपनी पहली आईपीएल ट्रॉफी का इंतजार है।

अक्षर पटेल 2019 से दिल्ली कैपिटल्स के साथ हैं। उन्होंने सात सीजन में दिल्ली कैपिटल्स के लिए 94 मैच खेले हैं। पिछले साल उन्होंने 12 मैचों में 263 रन बनाए थे और पांच विकेट हासिल किए थे। उनकी कप्तानी में टीम पिछले सीजन 14 मैचों में सात जीत के साथ पांचवे स्थान पर रही थी।

खालसा, श्याम लाल कॉलेज और डीयू एलुमना ने पीएसपीबी बाबा दीप सिंह हॉकी मैच जीते

■ एजेन्सी, **नई दिल्ली**

श्याम लाल कॉलेज, श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज और दिल्ली यूनिवर्सिटी (डीयू) एलुमना टीम ने पांचवें पीएसपीबी बाबा दीप सिंह हॉकी (पुरुष एवं महिला) टूर्नामेंट के चौथे दिन जीत दर्ज की है।

पुरुष वर्ग में श्याम लाल कॉलेज ने जीत के सिलसिले को जारी रखते हुए हंसराज कॉलेज को 3-1 से मात दी। टीम के लिए प्रत्युष सिंह जग्गी, हर्ष और मनमोहन ने एक-एक गोल किया। हर्ष को प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड मिला।

इसी तरह गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज ने किरोड़ी मल कॉलेज को 2-1 से हराया। खालसा कॉलेज के लिए रुशिल और विपिन ने गोल किए। किरोड़ी मल कॉलेज के लिए सहान सिंह ने गोल किया। खालसा कॉलेज के सागर को प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड मिला।

वनडे वर्ल्डकप के लिए सिलेक्टर्स की नजर आईपीएल पर

20 इंडियन प्लेयर्स शॉर्टलिस्ट मैच के दौरान परफॉर्मेंस-फिटनेस ट्रैक की जाएगी

■ एजेन्सी, **नई दिल्ली**

यह भारतीय टीम का सिलेक्शन पैनल है। तस्वीर में बाएं से दूसरे नंबर पर टी-20 कप्तान सूर्यकुमार यादव और बीच में BCCI सचिव देवजीत सैकिया नजर आ रहे हैं। यह फोटो टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए टीम चयन बैठक के दौरान की है।

यह भारतीय टीम का सिलेक्शन पैनल है। तस्वीर में बाएं से दूसरे नंबर पर टी-20 कप्तान सूर्यकुमार यादव और बीच में इउउकसचिव देवजीत सैकिया नजर आ रहे हैं।

28 मार्च से शुरू हो रहा व्हढछ भारतीय खिलाड़ियों के लिए खास रहने वाला है। टीझ20 फॉर्मेट में खेली जानी वाली इस लीग से टीम इंडिया की वनडे वनडे वर्ल्ड कप 2027 की टीम तय होगी।

एजेंसी ने BCCI सूत्र के हवाले से यह जानकारी दी है। रिपोर्ट में बताया गया है कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) की सिलेक्शन कमेटी ने 20 खिलाड़ियों को शॉर्टलिस्ट किया है, जिनके प्रदर्शन पर इस IPL के दौरान खास नजर रखी जाएगी। अजित अगरकर की अगुवाई वाली समिति का फोकस इन खिलाड़ियों की फॉर्म और फिटनेस पर रहेगा।

इतना ही नहीं, पंजाब मुल्लांपुर में 6 से 10 जून तक अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले टेस्ट मैच में भी टीम इंडिया अपनी फुल-स्ट्रेंथ के साथ उतरेगा। सारे सीनियर खिलाड़ी इसमें खेलेंगे।

मैच देखेंगे सिलेक्टर्स

BCCI ने सिलेक्टर्स को मैच देखने की जिम्मेदारी बांट दी गई है। हर चयनकर्ता हफ्ते में कम से कम एक IPL मैच स्टेडियम में जाकर देखेगा, ताकि हर सप्ताह शॉर्टलिस्ट प्लेयर्स की पांच मैचों की ग्राउंड रिपोर्ट तैयार हो सके। इसके अलावा बाकी मैचों को टीवी के जरिए ट्रैक किया जाएगा।

भारत में हॉकी का स्तर बहुत ऊंचा है

भारत में ट्रेनिंग कर रही कजाकिस्तान टीम का हॉकी इंडिया ने किया स्वागत

■ एजेन्सी, **नई दिल्ली**

हॉकी इंडिया ने कजाकिस्तान की सीनियर पुरुष हॉकी टीम का स्वागत किया है। यह टीम अभी भारत में है और 10 से 21 मार्च तक हरियाणा के सोनीपत में भारतीय खेल प्राधिकरण के उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र में एक हाई-परफॉर्मेंस ट्रेनिंग कैंप में हिस्सा ले रही है। यह कैंप आगामी एशियन गेम्स क्वालिफायर्स 2026 की तैयारियों का एक हिस्सा है।

हॉकी इंडिया के अनुसार भारत के प्रमुख हॉकी प्रशिक्षण केंद्रों में से एक में आयोजित इस शिविर में विश्व स्तरीय सिंथेटिक टर्फ, उन्नत सुविधाएं और एक बेहद प्रतिस्पर्धी माहौल उपलब्ध है, जो कजाकिस्तान को अपनी तैयारियों को बेहतर बनाने के लिए एक आदर्श मंच प्रदान करता है।

भारत में अभ्यास के बारे में बात करते हुए कजाकिस्तान कोच ओल्गा उमानोवा ने कहा कि हम भारतीय खेल प्राधिकरण के उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र सोनीपत में आकर बहुत खुश हैं, जिसने हमारी टीम का बहुत गर्मजोशी से स्वागत किया है।

भारत में हॉकी का स्तर बहुत ऊंचा है और यही कारण है कि हमने यहां आने का फैसला किया है। हीरो एशिया कप 2025 के दौरान बिहार के राजगीर में प्रतिस्पर्धा करने के बाद यह भारत की हमारी दूसरी यात्रा है और एक बार फिर, यह अनुभव अमूल्य रहा है।

उमानोवा ने आगे कहा कि हमने यहां स्थानीय टीमों के खिलाफ कई मैत्रीपूर्ण मैच खेले हैं और प्रतियोगिता का स्तर बहुत ऊंचा रहा है, जो हमारी तैयारी के इस चरण में बिल्कुल आवश्यक है। भारत को अपने प्रशिक्षण केंद्र के रूप में चुनते समय हमने जो योजना बनाई थी, उसी के अनुरूप सब कुछ उच्चतम स्तर पर आयोजित किया गया है।

उन्होंने कहा कि हॉकी इंडिया के सहयोग और उच्च गुणवत्ता वाले प्रशिक्षण अवसर उपलब्ध कराने के लिए हम उनके तहे दिल से आभारी हैं।

2026 एशियाई खेलों के क्वालीफायर को देखते हुए, हमें ओमान, इंडोनेशिया, थाईलैंड और हांगकांग जैसी टीमों के साथ एक प्रतिस्पर्धी समूह में रखा गया है और हम एक मजबूत प्रदर्शन करने का लक्ष्य रख रहे हैं।

सीएम साय से एनडीसी के ट्रेनी सैन्य और गैर सैन्य अधिकारियों ने की मुलाकात

कहा- नक्सलवाद को डबल इंजन की सरकार ने किया दूर, राज्य की भौगोलिक, सांस्कृतिक और प्रशासनिक विशेषताओं की सराहना

रायपुर। छत्तीसगढ़ की हमारी धरती सघन वन, प्राकृतिक संसाधन, खनिज संपदा के विपुल भंडार, लोक संस्कृति की अमूल्य विरासत और नैसर्गिक सौन्दर्य का अद्भुत संगम है. इस सुंदर धरती के विकास की सबसे बड़ी बाधा नक्सलवाद को हमारे डबल इंजन की सरकार ने अब दूर कर दिया है. मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज अपने निवास कार्यालय में नेशनल डिफेंस कॉलेज के सैन्य और सिविल सेवा अधिकारियों के अध्ययन दल से मुलाकात कर आत्मीय संवाद किया. इस दौरान उन्होंने देश-विदेश से आए अधिकारियों का स्वागत करते हुए शाल और प्रतीक चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया. अध्ययन दल का नेतृत्व कर रहे एयर कमोडोर अजय कुमार चौधरी ने छत्तीसगढ़ प्रवास के अनुभव साझा करते हुए राज्य की भौगोलिक, सांस्कृतिक और प्रशासनिक विशेषताओं की सराहना की. उन्होंने मुख्यमंत्री को सैन्य स्मृति चिन्ह भी भेंट किया।

मुख्यमंत्री साय ने अपने संबोधन में कहा कि छत्तीसगढ़ सघन वनों, खनिज संपदा, समृद्ध लोक संस्कृति और नैसर्गिक सौंदर्य का अद्वितीय संगम है. उन्होंने बताया कि राज्य का लगभग 46 प्रतिशत भू-भाग वनों से आच्छादित है, जिसमें 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान और कैम्पा योजना का महत्वपूर्ण योगदान रहा है. सीएम साय ने कहा कि राज्य खनिज संसाधनों से परिपूर्ण है, कोयले से लेकर हीरे तक यहां उपलब्ध हैं. छत्तीसगढ़ वर्तमान में विद्युत उत्पादन के क्षेत्र में सरप्लस राज्य है, जहां लगभग 30 हजार मेगावाट बिजली का उत्पादन हो रहा है. मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले दो वर्षों में ऊर्जा क्षेत्र में 3 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जिससे आने वाले समय में इतनी ही अतिरिक्त उत्पादन क्षमता विकसित होगी।

केंद्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों से अब नक्सल समस्या समाप्ति की ओर

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में केंद्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों से अब नक्सल समस्या समाप्ति की ओर है. इससे प्रदेश में शांति और विकास की गति और तेज होगी. कृषि क्षेत्र का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ को 'धान का कटोरा' कहा जाता है और यहां किसानों के लिए प्रभावी धान खरीदी नीति लागू है. प्रति एकड़ 21 िंटल धान 3100 रुपये प्रति िंटल की दर से खरीदा जा रहा है, जिससे किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है. महिला सशक्तिकरण की दिशा में 'महतारी वंदन योजना' का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि इसके तहत 15 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि महिलाओं को प्रदान की जा चुकी है. इसके अलावा 05 लाख 30 हजार से अधिक भूमिहीन कृषि मजदूरों को प्रतिवर्ष 10 हजार रुपये की सहायता दी जा रही है. उन्होंने छत्तीसगढ़ की कला संस्कृति, खान पान, रीति रिवाज परंपरा पर खुलकर बातें की और अपने राजनीतिक और सामाजिक अनुभव भी उनके साथ साझा किए।

भौगोलिक विविधताओं और उर्वर भूमि से समृद्ध है छत्तीसगढ़

अध्ययन दल में शामिल विदेश के सैन्य अधिकारियों ने छत्तीसगढ़ प्रवास को 'अद्भुत और यादगार' बताते हुए कहा कि राज्य भौगोलिक विविधताओं और उर्वर भूमि से समृद्ध है. उन्होंने विशेष रूप से बस्तर क्षेत्र की जनजातीय संस्कृति और प्राकृतिक सौंदर्य की प्रशंसा की. एयर कमोडोर अजय कुमार चौधरी ने कहा कि स्पष्ट नेतृत्व और सशक्त नीति के कारण प्रदेश में सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिल रहा है. उन्होंने कहा कि सुरक्षाबलों का मनोबल बढ़ा है, जिससे नक्सलवाद के खिलाफ प्रभावी कार्य हुआ है. उन्होंने आगे कहा कि राज्य और केंद्र सरकार की योजनाओं, जैसे महिला सशक्तिकरण और आवास योजनाओं का जमीनी स्तर पर सकारात्मक असर दिखाई दे रहा है. उन्होंने छत्तीसगढ़ के समग्र विकास को कुशल नेतृत्व का परिणाम बताया। इस दौरान मुख्यमंत्री के सचिव राहुल भगत, आईजी ओ पी पाल, अध्ययन दल में आईपीएस अमनदीप सिंह कपूर, म्यांमार कर्नल लू जॉ आंग, ब्रिगेडियर मोहम्मद शाहिद अहमद, जापान के कर्नल उचीनो तोमोफुमी, ब्रिगेडियर कुंवर मान विजय सिंह राणा, सुप्रिया घाव, ब्रिगेडियर शिशिर थमैय्या, बांग्लादेश के ब्रिगेडियर जनरल फिरदौस आरिफ अहमद, ब्रिगेडियर केतन अरुण मोहिते, ब्रिगेडियर अनिरुद्ध चौहान, एयर कमोडोर अजय कुमार चौधरी, एयर कमोडोर मूलनाथ गिरीश, डॉ. राजेश कुमार अस्थाना, भूटान के कर्नल समतेन चेनोर, ग्रीस के कर्नल कॉन्सटेंटिनॉस नीरस शामिल हैं।

आर्थिक सुरक्षा और रणनीति विषय पर अध्ययन के लिए छत्तीसगढ़ पहुंचा है दल

उल्लेखनीय है कि नेशनल डिफेंस कॉलेज द्वारा प्रतिवर्ष एक साल का कोर्स आयोजित किया जाता है. इस वर्ष 66वां प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया है, जिसमें 120 सैन्य और गैर सैन्य अधिकारियों का दल प्रशिक्षण प्राप्त कर रहा है. प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत 15 अधिकारियों का दल आर्थिक सुरक्षा और रणनीति विषय पर अध्ययन के लिए छत्तीसगढ़ पहुंचा, जिसमें 05 विदेशी सैन्य अधिकारी भी शामिल हैं. प्रशिक्षण में शामिल अधिकारियों ने बताया कि सबसे पहले उन्होंने नया रायपुर में शहर की व्यवस्था और प्लान, कृषि और वन विभाग के अधिकारियों के साथ चर्चा, कांकेर के जंगल वारफेयर कॉलेज और कृषि विज्ञान केंद्र का अवलोकन किया. इसके साथ ही बस्तर में सुरक्षा संबंधी विषयों से जुड़ी विशेष चर्चा, सुरक्षाबलों के साहसिक कार्य, पर्यटन स्थल, विभिन्न शासकीय आयोजनों में बस्तर की कला-संस्कृति, चित्रकोट जलप्रपात, कोंडागांव में शिल्पग्राम का भ्रमण किया. अगले दिन उन्होंने भिलाई स्टील प्लांट और भिलाई के पुलिस थाना का भ्रमण कर कानून व्यवस्था के बारे में जानकारी प्राप्त की।

कोरियर के जरिए बीपी मशीन की आड़ में मंगाता था कोकीन, आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी में नशे के फलते-फूलते कारोबार में पैसा कमाने के ध्येय से लोग अनोखे उपाय अपनाने लगे हैं. ऐसा ही मामला शुक्रवार को सामने आया है, जिसमें नशे का सौदागर बीपी मशीन में कोकीन भरकर दूसरे राज्यों से कोरियर सर्विस के जरिए मंगाकर राजधानी में खपाता था. मुखबिर से मिली सूचना पर पुलिस ने शंकर नगर निवासी गोपाल कृष्ण अग्रवाल को कोकीन के साथ गिरफ्तार किया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, 19 मार्च को एण्टी क्राइम एण्ड साइबर यूनिट टीम को सूचना प्राप्त हुई कि देवेन्द्रनगर थाना क्षेत्रांतर्गत नारायणा हॉस्पिटल सेक्टर-5 के पास एक व्यक्ति चारपहिया वाहन में मादक पदार्थ कोकीन रखकर ग्राहकों की तलाश कर रहा है. सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस उपायुक्त (क्राइम एण्ड साइबर) स्मृतिक राजनाला एवं पुलिस उपायुक्त (मध्य क्षेत्र) उमेश प्रसाद गुप्ता द्वारा अधीनस्थ अधिकारियों एवं प्रभारियों को आरोपियों को मादक पदार्थ सहित गिरफ्तार करने के निर्देश दिए. इस पर एण्टी क्राइम एण्ड साइबर यूनिट, एन्टी नारकोटिक्स टॉस्क फोर्स और देवेन्द्र नगर थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए मुखबीर द्वारा बताए चारपहिया वाहन एवं हुलिये के व्यक्ति को चिन्हांकित कर पकड़ा. पूछताछ में व्यक्ति ने अपना नाम कृष्ण गोपाल अग्रवाल निवासी रायपुर का होना बताया. वाहन की तलाशी में श्री मारूती फर्म द्वारा कोरियर किया हुआ पैकेट बरामद हुआ. पैकेट को चेक करने पर बीपी मशीन पाया गया, जिसमें मादक पदार्थ कोकीन रखा था. इसके साथ आरोपी कृष्ण गोपाल अग्रवाल को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से लगभग 2,27,500 रुपए मूल्य का कुल 4.55 ग्राम कोकीन, चारपहिया वाहन ग्रैण्ड विटारा, एक आईफोन समेत लगभग 20,27,500 रुपए जप्त किया गया. मामले में देवेन्द्र नगर थाना में अपराध क्रमांक 33/26 धारा 22बी नारकोटिक एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर आरोपी के विरूद्ध कार्रवाई की गई. आरोपी से फॉरवर्ड एवं बैकवर्ड लिंकेजेस के आधार पर अन्य आरोपियों के संबंध में विस्तृत पूछताछ कर ध्रड्ढ्ल-ह्नश-ध्रड्ढ्ल कार्रवाई की जा रही है. साथ ही श्री मारूती कोरियर फर्म के ऊपर भी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी.

महुआ बीनने गए थे दंपति, मधुमक्खियों के हमले से पति की मौत, पत्नी घायल

बालोद। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में मधुमक्खियों के हमले से बुजुर्ग की मौत हो गई। महुआ बीनने जंगल गए दंपति पर मधुमक्खियों के झुंड ने अचानक हमला कर दिया, जिससे पति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई। पूरा मामला डौंडी थाना क्षेत्र के गोटूलमुड़ा गांव का है। जानकारी के अनुसार, 65 वर्षीय चम्पूलाल गोयल अपनी पत्नी सुमित्रा के साथ जंगल में महुआ बीनने गए थे। इसी दौरान मधुमक्खियों का झुंड उन पर टूट पड़ा। हमले में दोनों बुरी तरह घायल हो गए। किसी तरह पत्नी सुमित्रा ने अपनी जान बचाई, लेकिन चम्पूलाल गोयल की मौके पर ही मौत हो गई। घायल महिला को तुरंत जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज जारी है। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। वहीं इस घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है।

धर्मांतरण कानून पर पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज ने भाजपा सरकार पर साधा निशाना

कहा- वोटों का ध्रुवीकरण करना चाहती है बीजेपी

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा में पारित हुए धर्मांतरण कानून को लेकर प्रदेश कांग्रेस के चीफ दीपक बैज ने भाजपा सरकार पर निशाना साधा है. बैज ने कहा कि बीजेपी केवल दिखावे के लिए कानून लाई है. वह वोटों का ध्रुवीकरण करना चाहती है, यह केवल दिखावा है. इस बिल से कोई गारंटी है कि अब धर्मान्तरण नहीं होगा।

अफीम के खती = भाजपा पर सरंक्षण का आरोप

दुर्ग, बलरामपुर के बाद रायगढ़ के तमनार में अफीम की अवैध खेती के खुलासे पर दीपक बैज ने भाजपा सरकार को सरंक्षण देने का बड़ा आरोप लगाया है. उन्होंने कहा कि पहले दुर्ग में बड़ी तादाद में अफीम की खेती हो रही थी, अब रायगढ़ में भी इस की खेती का खुलासा हुआ है. यह सब बीजेपी के संरक्षण में चल रहा है. रायगढ़ से चौथा मामला सामने आया है।

एलपीजी शॉर्टेज: बैज बोले- पूरे प्रदेश में मचा है त्राहिमाम

पीसीसी चीफ दीपक बैज ने कहा कि गैस सिलेंडर के लिए आम जनता परेशान है. सवाल उठाते हुए कहा कि अगर पर्याप्त गैस है तो जनता लाइन में क्यों खड़ी है. केंद्र सरकार ने 60 रूपये बढ़ा दिया है. गैस सिलेंडर की काला बाजरी हो रही है. पूरे प्रदेश में त्राहिमाम मचा है।

5 राज्यों में चुनाव - बैज का दावा- मजबूत स्थिति में कांग्रेस

पश्चिम बंगाल समेत 5 राज्यों में घोषित चुनाव को लेकर दीपक बैज ने केंद्र पर हमला बोला है. पीसीसी चीफ ने कहा कि पश्चिम बंगाल में केंद्र सरकार फॉर्स भेज के डराने का काम कर रही है. वहां के उच्या अधिकारियो को हटाया जा रहा है. बीजेपी अपनी सरकार के दम पर डराने का प्रयास कर रही है. ऐसा बाकि राज्यों में क्यों नहीं हो रहा ? उन्होंने कहा कि लेकिन कांग्रेस तैयार है, 5 राज्यो में कांग्रेस मजबूत है.

नक्सल प्रभावित अबुझमाड़ के युवाओं ने देखी विधानसभा की कार्यवाही

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा और मंत्री केदार कश्यप से की मुलाकात

रायपुर। नारायणपुर जिले के सुदूर संवेदनशील एवं पूर्व नक्सल प्रभावित क्षेत्रों से आए अबुझमाड़िया युवाओं ने आज नया रायपुर स्थित नवीन विधानसभा में सदन की कार्यवाही का प्रत्यक्ष अवलोकन किया. लोकतंत्र के इस जीवंत मंदिर में पहुंचकर युवाओं ने शासन-प्रशासन की विधायी कार्यप्रणाली को करीब से समझा और जनप्रतिनिधियों की भूमिका को अनुभव किया. इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा और वनमंत्री केदार कश्यप ने इन युवाओं से मुलाकात की।

स्वामी विवेकानंद युवा प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत आयोजित इस भ्रमण में नारायणपुर के कुतुल, ओरछा, कलमानार, झारावाही, कोडकानार, मुरेहनार, गुमियाबेड़ा, मुरहानार और नेड़नार जैसे अति संवेदनशील क्षेत्रों से आए विशेष पिछड़ी जनजाति के अबूझमाड़िया समुदाय के लगभग 147 युवा शामिल हुए. उल्लेखनीय है कि इन युवाओं में से अधिकांश ने पहली बार रायपुर शहर का भ्रमण किया, जो उनके लिए एक नया और उत्साहजनक अनुभव रहा. विधानसभा पहुंचकर युवाओं ने प्रश्नकाल, चर्चा और निर्णय प्रक्रिया को प्रत्यक्ष रूप से देखा, जिससे उनके भीतर लोकतंत्र के प्रति समझ और जागरूकता का विस्तार हुआ. उन्हें विधायी प्रक्रिया, शासन व्यवस्था और जनहित में लिए जाने वाले निर्णयों की विस्तृत जानकारी भी दी गई.

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने युवाओं से आत्मीय मुलाकात कर संवाद किया. उन्होंने युवाओं के अनुभवों को ध्यानपूर्वक सुना और उन्हें प्रोत्साहित करते हुए कहा कि लोकतंत्र की मजबूती में युवाओं की सक्रिय भागीदारी अत्यंत आवश्यक है. उन्होंने युवाओं से शिक्षा, जागरूकता और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया. उपमुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि अति संवेदनशील क्षेत्रों से निकलकर नई सोच और संकल्प के साथ आगे बढ़ रहे ये युवा प्रदेश के उज्ज्वल भविष्य के प्रतीक हैं. उन्होंने युवाओं से नक्सलावाद के खात्मे के साथ हो रहे विकास पर उनके अनुभवों को जाना. उन्होंने सभी को स्वसहायता समूहों एवं सहकारी समितियों से जुड़कर स्थानीय रूप से उत्पादित लघु वनोपजों का प्रसंस्करण एवं संवर्धन कर आजीविका के माध्यम बढ़ाने को प्रेरित किया. उन्होंने युवाओं को शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए उनका लाभ लेने के लिए प्रेरित किया. वन मंत्री और नारायणपुर के स्थानीय विधायक केदार कश्यप ने भी अपने क्षेत्र के युवाओं से मुलाकात की. उन्होंने सभी के भ्रमण के अनुभवों की जानकारी ली. उन्होंने सभी से उनके क्षेत्र में विकास और सुविधाओं की जानकारी भी ली. युवाओं ने भी अपने अनुभव साझा करते हुए इसे जीवन का एक महत्वपूर्ण और प्रेरणादायी अवसर बताया.

महानदी पुल के नीचे मिली युवक की लाश

हत्या के साथ आत्महत्या के भी एंगल से जांच कर रही पुलिस

आरंग। आरंग थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पारागांव में नेशनल हाईवे 53 पर महानदी पुल के नीचे आज सुबह 18 वर्षीय युवक की लाश मिलने से सनसनी फैल गई है. मृतक की पहचान ग्राम पारागांव निवासी प्रेमलाल पाल पिता राजाराम पाल (उम्र 18 वर्ष) के रूप में हुई है. घटना की सूचना मिलते ही मौके पर आरंग पुलिस पहुंच गई है. मृतक के शरीर में किसी प्रकार के चोट के निशान नहीं है।
आरंग थाना प्रभारी हरीश साहू ने बताया कि प्रारंभिक जांच में मृतक अपनी शारीरिक समस्याओं से परेशान था, मौत से पहले उसने अपने भाई को व्हाट्सएप में अपनी परेशानी को बताया है। बताया जा रहा है कि मृतक कल शाम को अपने दोस्त के साथ निकला था, निसदा मोड़ के पास मृतक प्रेमलाल पाल आइस्क्रीम खाने रुका था, और उसका दोस्त वहां से निकल गया था। प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का लग रहा है, लेकिन पुलिस हत्या के साथ-साथ आत्महत्या के भी एंगल से जांच कर रही है. पोस्टमार्टम रिपोर्ट और फॉरेंसिक जांच के बाद ही मौत के असली कारणों का पता चल पाएगा।

अनूपपुर सड़क हादसे में छत्तीसगढ़ के 2 लोगों की मौत: ट्रैक्टर के पीछे तेज रफ्तार कार जा घुसी, 2 लोग घायल

अनूपपुर। जिले के कोतमा थाना क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्ग 43 में सलीम ढाबा के पास के गुरूवार की रात सड़क हादसा हो गया। 4 ड्रम डीजल भर कर जा रहा ट्रैक्टर ट्राली के पीछे से आ रही तेज रफ्तार कार क्रमांक सीजी 07 एम 1454 घुस गई। इस हादसे में कार सवार महिला और चालक की मौके पर ही मौत हो गई। कार में बैठे दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गये। वहीं ट्रैक्टर ट्राली सहित खेत में घुस गया। पुलिस ने दोनों वाहनों सहित डीजल को जब्त कर विवेचना में जुट गई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार रात में शहडोल से मनेंद्रगढ़ जा रही थी तेज रफ्तार कार ने सामने जा रहे ट्रैक्टर के पीछे जा घुसी जिससे कार में सवार 4 लोगों में चालक 40 वर्षीय दुलारे शर्मा एवं गीता पनिका की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं दो घायलों में 64 वर्षीय हरिशंकर चतुर्वेदी एवं 33 वर्षीय मीना देवांगन सभी निवासी मनेंद्रगढ़ छत्तीसगढ़ बताये जा रहे हैं। घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोतमा में भर्ती कराया गया जहां से प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को जिला चिकित्सालय अनूपपुर के लिए रेफर कर दिया गया। हादसे के बाद सड़क के दोनों तरफ कुछ देर के लिए जाम लग गया था। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर यातायात को बहाल कराया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

खनिज, राजस्व और पुलिस की संयुक्त दबिश, 11 हाइवा, 2 जेसीबी और एक चैन माउंटेन मशीन जब्त

आरंग। महानदी से रेत के अवैध दोहन का काला कारोबार करने वालों पर प्रशासन ने अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई की है. लंबे समय से मिल रही शिकायतों के बाद रायपुर खनिज विभाग, राजस्व और आरंग पुलिस की संयुक्त टीम ने देर रात एक बड़ा 'स्ट्राइक' करते हुए करोड़ों की मशीनरी और वाहनों को अपने कब्जे में ले लिया है।
प्रशासन को सूचना मिली थी कि आरंग के कुम्हारी, कुरूद और मोहमेला घाटों पर रात के अंधेरे में अवैध उत्खनन का खेल धड़ल्ले से चल रहा है. योजनाबद्ध तरीके से

अवैध परिवहन में लगे 11 हाइवा वाहन, नदी के बीच से रेत निकालने के लिए माउंटेन मशीन और घाटों पर लोडिंग के लिए तैनात दो जेसीबी मशीन को जब्त देने के लिए जिले के आला अधिकारियों ने मोर्चा संभाला. इसमें मुख्य रूप से एएसपी, रायपुर ग्रामीण अभिषेक झा, खनिज अधिकारी उमेश भार्गव, नायब तहसीलदार गजानंद सिदार, आरंग थाना प्रभारी हरीश साहू शामिल रहे. पकड़े गए सभी वाहनों और मशीनों को जब्त कर गिधपुरी, उपरवारा और आसपास के स्थानीय थानों की सुपुर्दगी में दे दिया गया है. इन सभी पर खनिज अधिनियम के तहत कड़ी कार्रवाई की जा रही है. इस अचानक हुई कार्रवाई से क्षेत्र के रेत माफियाओं में हड़कंप मच गया है और

अभिव्यक्ति

सत्ताधारी दल की प्राथमिकताएं संसदीय मर्यादा से अधिक अहम

अविश्वास प्रस्ताव ओम बिरला के खिलाफ के जारी एवं गहराती गई शिकायतों को ऑन- रिकॉर्ड लाने की विपक्ष की कोशिश का हिस्सा है। वरना, विपक्ष भी अवगत रहा है कि इस प्रस्ताव के पारित होने की संभावना नहीं है। संसदीय लोकतंत्र में पीठासीन अधिकारी पर सदन का कोई पक्ष अविश्वास जताए, तो उस पर खेद ही प्रकट किया जा सकता है। लेकिन भारत अभी ऐसे ही अफसोसनाक दौर में है। हाल के वर्षों में विपक्षी दलों में यह शिकायत गहराती चली गई है कि संसद के दोनों सदनों के पीठासीन अधिकारियों के लिए सत्ताधारी दल की प्राथमिकताएं संसदीय मर्यादा से अधिक अहम हो गई हैं। दोनों सदनों में इल्जाम लगाए जा चुके हैं कि पीठासीन अधिकारी सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी के 'एजेंट' के रूप में काम कर रहे हैं। लोकसभा में तो एक मौके पर विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने खुलेआम कहा था कि प्रधानमंत्री और विपक्षी नेताओं से मुलाकात के दौरान स्पीकर ओम बिरला का व्यवहार और हाव-भाव अलग-अलग होता है। तृणमूल कांग्रेस के एक सदस्य ने इल्जाम लगाया था कि बिरला सत्ता पक्ष के सदस्यों को नेहरू युग की घटनाओं का उल्लेख करने की इजाजत देते हैं, लेकिन विपक्ष के सदस्य अगर नोटबंदी जैसी अपेक्षाकृत हालिया घटनाओं का जिक्र करें, तो उसे कार्यवाही से निकाल देते हैं। ऐसे आरोपों की श्रृंखला बहुत लंबी हो चुकी है। बिरला के खिलाफ के विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव को इसी संदर्भ में देखा जाएगा। इसे जारी एवं गहराती गई शिकायतों को ऑन- रिकॉर्ड लाने की विपक्ष की कोशिश का हिस्सा माना जाएगा। वरना, विपक्षी दल भी वाकिफ रहे हैं कि सदन का गणित उनके पक्ष में नहीं है और इस प्रस्ताव के पारित होने की संभावना नहीं है। प्रस्ताव पर बहस से पहले प्रधानमंत्री और संसदीय कार्य मंत्री ने बिरला का जोरदार बचाव कर स्पष्ट कर दिया कि सत्ता पक्ष मजबूती से उनके हक में खड़ा है। अतः सत्ता पक्ष में इस पर किसी पुनर्विचार की संभावना तक नहीं है कि आखिर विपक्ष इस हद तक क्यों गया और क्या उसकी शिकायतों को दूर करने के लिए कुछ किया जाना चाहिए? नतीजतन, स्पीकर के खिलाफ विपक्ष की आपत्तियां संभवतः यथावत बनी रहेंगी, जिनका साया सदन की आगे की कार्यवाहियों पर पड़ता रहेगा। उस स्थिति में संवाद एवं अधिकतम सहमति निर्माण के मंच के बतौर सदन के आगे भी अपेक्षित भूमिका निभाने की उम्मीद कम ही है।

विद्युत क्षेत्र में भारत के नेतृत्वकारी क्षमता की राह बुलंद

प्राचीन प्रार्थना तमसो मा ज्योतिर्गमय - अर्थात हमें अंधकार से प्रकाश की ओर ले चलो - केवल आध्यात्मिक आकांक्षा भर नहीं, अपितु आधुनिक भारत की गाथा को भी दर्शाती है। बीते दशक में, कभी लगातार कमी से परिभाषित होने वाले विद्युत इकोसिस्टदम को दुनिया के सबसे तेज़ी से बढ़ते, सबसे वैविध्यिपूर्ण और सुधार-प्रेरित विद्युत बाज़ारों में से एक में परिवर्तित कर हमने इस आदर्श भावना को वास्तविकता में बदल दिया है। जैसे-जैसे भारत स्वयं को एक वैश्विक विनिर्माण केंद्र, उभरती हुई डिजिटल अर्थव्यवस्था और स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में जिम्मेदार नेतृत्वकर्ता के रूप में स्थापित कर रहा है, वैसे-वैसे विद्युत क्षेत्र हमारी राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धात्मकता की आधारशिला बन गया है।

पिछले दशक में, हमने उत्पादन और पारेषण क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि की है, जिससे राष्ट्रीय ऊर्जा की कमी वित्त वर्ष 2013-14 में 4.2 प्रतिशत से घटकर वित्त वर्ष 2025-26 तक मात्र 0.03 प्रतिशत रह गई है। केवल वित्त वर्ष 2025-26 में ही (जनवरी 2026 तक), सभी स्रोतों से रिकॉर्ड 52.53 गीगावाट क्षमता जोड़ी गई है, जो एक ही वर्ष में जोड़ी गई अब तक की सर्वाधिक क्षमता है, जिसने 2024-25 में स्थापित 34.05 गीगावाट के पिछले सर्वोच्च स्तर को भी पार कर लिया है। कुल विद्युत उत्पादन वित्त वर्ष 2014 में 1,020.2 बीयू से बढ़कर वित्त वर्ष 2025 में 1,830 बीयू हो गया है। प्रति व्यक्ति खपत 2014 में 957 किलोवाट-घंटे से बढ़कर 2025 में 1,460 किलोवाट-घंटा हो गई है, जो आर्थिक विकास और बेहतर पहुँच को दर्शाती है। इससे यह सुनिश्चित हुआ है कि हर घर, खेत और उद्योग के पास उसकी आवश्यकता के अनुसार विश्वसनीय विद्युत उपलब्धघ हो और भारत अब दुनिया में विद्युत का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक और उपभोक्ता बन गया है। यद्यपि हम 520 गीगावाट से अधिक विद्युत उत्पानदित करने में सक्षम हैं, लेकिन किसी भी प्रणाली की असली परीक्षा अधिकतम मांग या पीक लोड को बिना किसी तरह के संचालनात्मक दबाव के संभाल सकने की उसकी क्षमता होती है। साल 2024 की गर्मियों में अधिकतम मांग रिकॉर्ड 250 गीगावाट तक पहुँच गई थी और वित्त वर्ष 2025-26 में यह 242.49 गीगावाट रही। इससे पहले मांग में इस तरह की वृद्धि से ग्रिड पर दबाव पड़ सकता था, लेकिन हमारे लोड डिस्पैच केंद्रों ने लगभग शून्य ऊर्जा हानि के साथ इसे सफलतापूर्वक प्रबंधित किया। यह मजबूती दुनिया के सबसे बड़े समकालिक ग्रिडों में से एक के कारण संभव हुई है, जिसमें 120 गीगावाट अंतर-क्षेत्रीय स्थानांतरण क्षमता है, जो देश को एक राष्ट्र-एक ग्रिड-एक फ्रीक्वेंसी में एकीकृत करती है। प्रेरणादायक बात केवल यह नहीं है कि हम कितनी विद्युत का उत्पादन करते हैं, बल्कि यह भी है कि हम

उसे कैसे उत्पानदित करते हैं। गैर-जीवाश्म ईंधन पर आधारित क्षमता का अंश तेजी से बढ़ा है, जिसकी बदौलत भारत 50 प्रतिशत संचयी गैर-जीवाश्म ईंधन पर आधारित विद्युत क्षमता हासिल करने के अपने एनडीसी लक्ष्य को निर्धारित समय से लगभग पाँच वर्ष पहले ही हासिल करने में समर्थ हो सका है। यह स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन और जलवायु के प्रति हमारी संकल्पिबद्धता को दर्शाता है। 2014 से, मिशन मोड योजनाओं के माध्यम से विद्युत क्षेत्र को नए रूप में ढाला गया है, जिन्होंने पहुँच का विस्तार करते हुए सतत परिवर्तन को भी गति दी है। दीन दयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना ने भारत के हर गांव तक बिजली पहुँचायी, इसके बाद सौभाग्य योजना आई, जिसने लाखों घरों को बिजली से रोशन किया और ऊर्जा तक पहुँच को सभी के लिए वास्तविकता बना दिया। एक अन्य परिवर्तनकारी सुधार सितंबर 2025 में समान आईएसटीएस सबस्टेशनों पर सौर और गैर-सौर घंटों के लिए अलग-अलग कनेक्टिविटी की शुरुआत है। सौर परियोजनाओं को सौर घंटों के दौरान पहुँच मिलती है, जबकि भंडारण और पवन परियोजनाओं को गैर-सौर घंटों में पहुँच मिलती है। इससे बड़ी मात्रा में अप्रयुक्त पारेषण क्षमता का उपयोग संभव होता है, अतिरिक्त लाइनों की आवश्यकता के बिना नवीकरणीय और भंडारण परियोजनाओं के कमीशनिंग में तेजी आती है, पारेषण लागत घटती है और संसाधनों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित होता है। डिजिटल सशक्तिकरण हमारे आधुनिकीकरण की गाथा का महत्वपूर्ण अंश है। संशोधित वितरण क्षेत्र योजना (आरडीएसएस) के तहत 3.03 लाख करोड़ रुपये के खर्च के साथ हम पूरे देश में स्मार्ट प्रीपेड मीटर लागू कर रहे हैं, जिससे उपयोगिताओं और नागरिकों के बीच संबंधों में परिवर्तन आ रहा है। इस योजना के सकारात्मक परिणाम भी सामने आ चुके हैं: एटी एंड सी हानियां 2021 में 21.91 प्रतिशत से घटकर 2025 में 15.04 प्रतिशत हो गई हैं, और प्रति यूनिट आपूर्ति पर अंडर-रिकवरी 69 पैसे से घटकर 6 पैसे रह गई है। जैसे-जैसे हमारी डिजिटल अर्थव्यवस्था तेज़ी से बढ़ रही है, भविष्य की मांग का पूर्वानुमान लगाना भी उतना ही महत्वपूर्ण है, जितना कि वर्तमान मांग का प्रबंधन करना। डेटा सेंटर की क्षमता 2030 तक 1.4 गीगावाट से बढ़कर 9 गीगावाट होने का अनुमान है, और केवल ये सुविधाएँ ही भारत की कुल विद्युत खपत के लगभग 3 प्रतिशत का उपयोग कर सकती हैं। हमारा अगला लक्ष्य एआई, अनुसंधान एवं विकास और अन्य प्रौद्योगिकी-संचालित इकोसिस्टम से उत्पन्न विद्युत की विशाल और लगातार बढ़ती मांग को निरंतर रूप से पूरा करना है। जैसे-जैसे नवीकरणीय ऊर्जा का विस्तार हो रहा है, ऊर्जा भंडारण अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है। भारत तेजी से बढ़ती डिजिटल अवसंरचना को स्वच्छ ऊर्जा से संचालित करने के लिए पम्प्ड स्टोरेज परियोजनाओं और बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणालियों का बड़े पैमाने पर विकास कर रहा है। राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन भारत को स्वच्छ ईंधनों के वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित कर रहा है, ग्रिड स्थिरता और नवीकरणीय ऊर्जा की अधिक पैठ को बढ़ावा दे रहा है। हम परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में भी निर्णायक कदम उठा रहे हैं, जो कम कार्बन और विश्वसनीय पावर मिक्सप का एक आवश्यक हिस्सा है। 2047 तक 100 गीगावाट परमाणु क्षमता का हमारा लक्ष्य और स्.μहअडु अधिनियम, 2025, हमारी तकनीकी संप्रभुता को प्रमाणित करते हैं और निजी क्षेत्र की भागीदारी के लिए कानूनी व नीतिगत ढाँचा तैयार करते हैं। अब हमें जो चाहिए, और जिसे यह समिट उत्प्रेरित कर सकता है, वह है तकनीक, वित्त और आपूर्ति श्रृंखलाओं में वैश्विक साझेदारियाँ।

विकसित भारत को ऊर्जा प्रदान करने, ग्लौबल साउथ में विद्युतीकरण को तेज करने और मजबूत, भविष्य-सक्षम ऊर्जा तंत्र बनाने के लिए, हमें महत्वाकांक्षा तक सीमित न रह कर, समन्वित कार्रवाई की दिशा में आगे बढ़ना होगा। यही वह समय है जब सरकारें, उद्योग जगत के दिग्गज, नवप्रवर्तनकर्ता और वैश्विक साझेदार मिलकर एक ऐसी नई ऊर्जा संरचना का निर्माण करें—जो स्वच्छ, विश्वसनीय, डिजिटल रूप से एकीकृत और वैश्विक रूप से आपस में जुड़ी हुई हो। भारत को सीमा-पार विद्युत सहयोग का नेतृत्व करना चाहिए; अगली पीढ़ी के पारेषण, डिजिटल ग्रिड इंटेलिजेंस और ओएसओडब्ल्यूओजी -संरेखित बाजार तंत्र में साहसपूर्वक निवेश करना चाहिए; और डिजिटल अर्थव्यवस्था के लिए नवीकरणीय ऊर्जा, हाइड्रोपावर नवाचार, लचीले गैस संसाधनों और स्वच्छ ऊर्जा का त्वरित उपयोग करना चाहिए। इस गति को ट्रांसमिशन सिस्टम ऑपरेटर और डिस्ट्रिब्यूशन सिस्टम ऑपरेटर के बीच मजबूत समन्वय और 2047 तक के लिए एकीकृत पावर सेक्टर रोडमैप द्वारा और भी सुदृढ़ किया जाना चाहिए, जो भारत को मजबूत, टिकाऊ और किफायती विद्युतीकरण का वैश्विक मॉडल बनाए।

आज का राशिफल

मेष: कार्यक्षेत्र में आज आपको काफी हद तक सफलता हासिल होगी। आज का दिन कुछ मिले-जुले प्रभाव वाला रहने वाला है। कुछ समय से चल रही किसी उलझन से आज राहत मिलेगी। आध्यात्मिक और धार्मिक गतिविधियों में कुछ समय बिताना आपको पॉजिटिव बनाएगा। मेडिकल की पढ़ाई कर रहे छात्रों को सीनियर्स का सहयोग मिलेगा। मां दुर्गा को लौंग अर्पित करें, आपके साथ सब ठीक होगा।

वृष : आज का दिन फायदेमंद रहने वाला है। आज आपको पहले किये गये छोटे-मोटे कार्यों से पॉजिटिव रिजल्ट मिलेगा। आज आप जीवन की वास्तविकता को समझेंगे। आज किसी भी विपरीत परिस्थिति में अपना मनोबल बनाए रखेंगे। आज आप शांति और धैर्यपूर्ण तरीके से अपनी बात को रखने का प्रयास करेंगे तो सब ठीक होगा। मां दुर्गा की आरती करें, सेहत पहले से बेहतर बनी रहेगी।

मिथुन : आज का दिन ठीक-ठाक रहने वाला है। आज का दिन पारिवारिक रख रखाव तथा सुधार संबंधी कार्यों में बीतेगा। सभी सदस्य आपस में बैठकर एक दूसरे से अपने विचार साझा करेंगे। किसी विशेष काम के प्रति किए गए प्रयासों के लिए उचित परिणाम मिलने के योग हैं। आज आपको किसी करीबी से ऐसी सलाह मिलेगी, जिससे आपको काफी फायदा होगा। मां शैलपुत्री के सामने घी का दीपक जलायें, सब अच्छा होगा।

कर्क : आज करियर के मामले में खुशखबरी मिलेगी। जो लोग राजनीति से जुड़े हैं उन्हे पुराने किये गये कार्यों में वाहवाही मिलेगी। सफलतायें छोटी ही सही लेकिन निरंतर बनी रहेंगी। आज अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहना आपको शारीरिक और मानसिक रूप से ऊर्जावान बनाकर रखेगा। इलेक्ट्रोनिक सामान खरीदना चाहते है तो आज का दिन अच्छा है। मां दुर्गा को मीठे का भोग लगायें, दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी।

सिंह : आज किस्मत का पूरा साथ मिलेगा। आज दोस्तों के साथ फोन पर बात कर के समय बितायेंगे। आज आपके व्यवसाय में स्थिति पहले जैसी ही रहेगी। किसी बाहरी व्यक्ति की वजह से आज आपको अच्छा लाभ होगा। आज काम जल्दबाजी में न करके सोच विचार करेंगे तो आपका काम आसानी से होगा। मां शैलपुत्री का ध्यान करें, रुका हुआ पैसा आपको वापस मिलेगा।

कन्या : आज आपका पूरा ध्यान अपने कार्यों को पूरा करने में रहेगा। आज घर पर किसी चीज की मरम्मत करानी पड़ेगी। आज कुछ समय एकांत में बितायेंगे। आज आपको निर्णय लेने में किसी अनुभवी व्यक्ति की सहायता मिलेगी। आज कार्यों में आपको परिवारजनों का सहयोग मिलेगा। आज किसी प्रिय मित्र से भी मुलाकात होगी। महिलाओं को घर के कार्यों से राहत मिलेगी। देवी दुर्गा की उपासना करें, समस्त मनोकामनाएं पूर्ण होंगी।

तुला : आज का दिन मिला-जुला रहने वाला है। पिता आपके बिजनेस में आपका सहयोग करेंगे। आज मन मुताबिक काम बनने से आपका मन प्रसन्न रहेगा। इस राशि के युवाओं को आज रोजगार संबंधी अवसर मिलेंगे। फाइनेंस संबंधी गतिविधियों में किए गए प्रयासों के आज उचित परिणाम सामने आयेंगे। लोग आपकी प्रशंसा करेंगे, जिसे आप हमेशा से सुनना चाहते थे। मां शैलपुत्री को फूल अर्पित करें, घर में शांति बनी रहेगी।

वृश्चिक : आज का दिन बढ़िया रहने वाला है। शाम को जीवनसाथी के साथ अच्छा समय बीतेगा। आज आपकी कार्यप्रणाली में सुधार आएगा। काम की प्रकृति के कुछ महत्वपूर्ण अवसर मिल सकते हैं। आज सरकारी कार्यों में को पूरा करने में आपको किसी प्रभावशाली इंसान की भी मदद मिलेगी। आज ऑफिस में मन मुताबिक जिम्मेदारियां भी मिलेंगी। आज बच्चे किसी जरूरी काम में अपनी माता की मदद मांगेंगे, जिससे उनके काम पूरे होंगे। मां शैलपुत्री के आगे हाथ जोड़ें, रुके हुए काम पूरे होंगे।

धनु : आज कार्यक्षेत्र में आपके सहकर्मी और सीनियर आपकी परफॉर्मेंस से खुश रहेंगे, आपकी तारीफ करेंगे। आज अनुभवी लोगों के सानिध्य में रहने का अवसर मिलेगा। कई सकारात्मक पहलुओं की जानकारी भी मिलेगी। आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने के लिये आपका प्रयास सफल होगा। प्रॉपर्टी से संबंधित काम संपन्न होगा। बच्चे आज आपके साथ खेलने की जिद करेंगे। स्वास्थ्य को लेकर लापरवाही न करें।

मकर : आज आप खुद को बदली हुई भूमिका में महसूस करेंगे। आज आपकी दैनिक आय पहले से बेहतर होगी। अपने कॉन्टैक्ट मजबूत रखें। किसी भी नए काम को शुरू करने में जल्दबाजी न करें। इस राशि के युवाओं को करियर संबंधी शुभ समाचार मिलने के योग हैं। आज आपको पदोन्नति के अवसर प्राप्त होंगे। मां शैलपुत्री को इलायची अर्पित करें, जीवन में खुशियों की प्राप्ति होगी।

कुंभ : आज का दिन शानदार रहने वाला है। कॉस्मेटिक का व्यापार कर रहे लोगों को आज बड़ा मुनाफा होगा। आज आपका रिश्तों के प्रति आदर-सम्मान करना आपसी रिश्ते को और अधिक मजबूत करेगा। आज बच्चों के समक्ष आप श्रेष्ठ अभिभावक साबित होंगे। अपने कार्यों से संबंधित नीतियों पर सोच-विचार करने से आप सकारात्मक परिणाम हासिल करेंगे। आज ऐसी पुरानी चीज आपके हाथ लग सकती है, जिसे पा कर आपको खुशी महसूस होगी।

मीन : आज का दिन खुशियां लेकर आया है। बिजनेस में बड़ी सफलता हाथ लग सकती है। आज सामाजिक गतिविधियों में आपका विशेष योगदान रहेगा। मित्रों तथा रिश्तेदारों के साथ मेल-जोल बढ़ेगा। आपके व्यक्तित्व और आत्मविश्वास में निखार आएगा। जीवनसाथी आज आपको प्रसन्न रहने की वजह देंगे। मां दुर्गा को नारियल अर्पित करें, जीवन में चल रही परेशानियां खत्म होंगी।

वर्ग पहेली

बाएं से दाएं
1. आय व्यय का लेखा-जोखा, गणित, एकाउंट 3. विनती, अदब 6. दृष्टांत, सुपुर्दगी, उदाहरण 7. मूल्यवान, बहुमूल्य 8. अच्छे ढंग में गाया जाने वाला सुंदर गीत 10. बराबर, सम 12. मुख, चेहरा 14. अनुकृति, अनुकरण, असल का विलोम 17. दिमाग, मस्तिष्क 18. मनोहर, सुंदर, इच्छित, प्यारा 19. गर्मी, ताप 21. रसिया, प्रेमी, रसपान करने वाला 23. दबाव, भार 24. भीख 25. काम से जी चुराने वाला, आलसी।

ऊपर से नीचे
1. साहस, वीरता, बहादुरी 2. वहिन, प्रवाहित होना 3. प्रणय क्रीडा, सुखोपभोग, हावभाव 4. विश्वास, प्रतीति 5. इंतजार 9. खाने-पीने का सामान, रसद 11. नशीला, मदभरा 12. घायल, जख्मी 13. झुकना, प्रणाम, नमस्कार 14. दृष्टि, निगाह 15. तीव्रइच्छा 16. अर्थ, अभिप्राय, स्वार्थ 20. इम्तिहान, योग्यता आदि को परखना 22. जुल्म, अन्याय 23. पत्नी, बीवी, एक प्रत्यय।

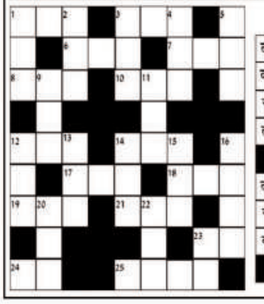

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 346 का हल

दा	ड़ी		की		खा	मो	आ	म
वा		त	म	न्ना			जा	
न	जा	क	त		बा	अ	द	ब
ल		ली		वि	ला	प		हा
	अ	फ	सा	ना		मा	हि	र
दा	ब			श	गु	न		
न		उ	प	का	र		शि	
व		ल		र		त	क	ला
	मा	व	न		गु	रु	वा	र

सू-दोकू

	3		7				2	1
2				9		4		
	7		1				5	
		1		5		2		7
	5				4			
		4		1		8		5
					1			
1		5		3		9		
	2		6		5		1	

नियम
1. कुल 81 वर्ग हैं,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.346 का हल

8	9	5	1	6	3	2	4	7
3	2	1	9	7	4	8	6	5
4	7	6	2	5	8	3	9	1
7	6	9	5	2	1	4	3	8
1	8	3	4	9	7	6	5	2
2	5	4	8	3	6	1	7	9
5	3	8	7	4	2	9	1	6
6	1	7	3	8	9	5	2	4
9	4	2	6	1	5	7	8	3

नैतिकता के आधार पर

नैतिकता के आधार पर सरकारी कार्यसंस्कृति के माप तोल तय हुए हैं, तो ढर्रे में बदलाव की हल्की सी आशा उत्पन्न होती है। हिमाचल सरकार की ओर से सोशल मीडिया एक्टिविटी पर आया निर्देश अति आवश्यक प्रतीत होता है, क्योंकि वीडियो के पीछे सरकारी क्षेत्र का चरित्र बिगड़ रहा था। कुछ चेहरे सरकार के नीति-निर्देशों व परंपराओं से अलग मनोरंजन का वांछित मैटेरियल बन चुके हैं, तो कुछ सोशल मीडिया की कर्कश टिप्पणियों का मुखौटा पहन कर दायित्व से दूर और व्यवस्था को मजबूर कर रहे थे। हालांकि हिमाचल अब सोशल मीडिया के तमाम शरारती अंग पहने व्यवहार कर रहा है और जहां सियासी चेहरे भी कहीं रास्तों से भटक रहे हैं। वास्तव में सोशल मीडिया की आसान से उपलब्धता ने वैचारिक संताप बढ़ा दिया है, जबकि मानव जिज्ञासाओं के फलक पर गुमराह करने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। इसी परिप्रेक्ष्य में निर्देश की अनिवार्यता दिखाई देती है। आश्चर्य यह कि सर्विस रूल्स की आचार संहिता से बाहर सरकारी ढांचा किसी भी आदर्श तक सिमटना नहीं चाहता। सोशल मीडिया में हिमाचल और हिमाचल की सरकार का पक्ष सदैव एक नहीं हो सकता। कुछ आलोचनाएं अगर नागरिक समाज की ओर से होती हैं, तो उनका लोकतांत्रिक महत्त्व देखा जाना चाहिए, लेकिन यहां सरकारी कार्य संस्कृति ही बेबाक और बाचाल होने लगी है। इसे कर्मचारी सियासत भी नहीं कहेंगे, क्योंकि कुछ व्यक्तिगत रूप से कार्यसंस्कृति के संदर्भ के विपरीत खड़े होते हैं। वैसे हिमाचल में सरकारी कार्यसंस्कृति के हर संदर्भ में नैतिक शिष्टाचार पढ़ाने की जरूरत है। दफ्तरों की कर्कश टिप्पणियों के सारथी बने कुछ अहम व पब्लिक डीलिंग के पद, हमेशा हताश और निराश करते हैं, तो जनता अपनी फरियाद किसे सुनाए। मोबाइल अगर स्कूल-कालेज की परिधि में अवांछित माना जा रहा है, तो दफ्तरों में इसका इस्तेमाल क्यों न एक सीमा के भीतर रखा जाए। दफ्तरों के माहौल को सुधारने की जरूरत केवल सोशल मीडिया तक नहीं, बल्कि समय सारिणी, जवाबदेही, जन संवाद और पारदर्शिता पर भी निर्भर करती है। कुछ ऐसे अधिकारी भी हैं, जो दफ्तरी घंटों के बाहर समाज के संगठन को मजबूत करते हैं। कई स्कूलों को गोद लेकर मार्गदर्शन कर रहे हैं, तो कई नागरिक समाज की हर अपेक्षा पर खरा उतरने की कोशिश करते हैं।

पाक का काबूल पर कायराना हमला इंसानियत के लिए खतरा

कहते है कि पवित्र रमजान का महीना आत्मसंयम, करुणा और इंसानियत की सेवा का संदेश देता है। ऐसे समय में काबुल पर हुआ कथित कायराना हमला न सिर्फ मानवीय मूल्यों का अपमान है, बल्कि यह पूरी दुनिया के लिए गंभीर चिंता का विषय भी है। जब दुनिया शांति और सह-अस्तित्व की बात कर रही हो, तब इस तरह की हिंसक घटनाएं सभ्यता के मूल सिद्धांतों को चुनौती देती हैं। रमजान का सार ही यह है कि इंसान अपने भीतर झांककर बुराइयों से दूर रहे और समाज में प्रेम, भाईचारे और सहयोग को बढ़ावा दे। लेकिन काबुल में हुआ हमला इस पवित्र भावना के ठीक विपरीत है। निर्दोष लोगों की जान लेना किसी भी परिस्थिति में उचित नहीं ठहराया जा सकता। यह न केवल एक देश की संप्रभुता पर हमला है, बल्कि पूरी मानवता के खिलाफ अपराध है। यदि इस हमले में किसी भी देश या तत्व की संलिप्तता साबित होती है, तो अंतरराष्ट्रीय समुदाय को बिना किसी भेदभाव के सख्त कदम उठाने चाहिए। आतंक और हिंसा के प्रति चयनात्मक' रवैया ही ऐसी घटनाओं को बढ़ावा देता है। जरूरत इस बात की है कि वैश्विक मंचों पर एकजुट होकर आतंकवाद के खिलाफ ठोस और निष्पक्ष नीति अपनाई जाए। दक्षिण एशिया पहले से ही अस्थिरता और अविश्वास के दौर से गुजर रहा है। ऐसे में इस तरह की घटनाएं क्षेत्रीय शांति

को और कमजोर करती हैं। यह समझना होगा कि युद्ध और हिंसा का रास्ता किसी समस्या का समाधान नहीं है। बातचीत, कूटनीति और आपसी विश्वास ही स्थायी शांति का आधार बन सकते हैं।आज सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या हम रमजान जैसे पवित्र अवसर पर भी इंसानियत का सम्मान नहीं कर सकते? काबुल की यह घटना हमें चेतावनी देती है कि अगर समय रहते हिंसा के इस चक्र को नहीं रोका गया, तो इसके परिणाम और भी भयावह हो सकते हैं। यह समय है जब दुनिया को एकजुट होकर यह संदेश देना चाहिए कि इंसानियत सर्वोपरि है। किसी भी प्रकार की हिंसा, चाहे वह किसी भी नाम पर हो, उसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। रमजान के इस पावन महीने में शांति, सहिष्णुता और मानवता के मूल्यों को पुनः स्थापित करना ही सच्ची श्रद्धा होगी।

यह हमला ऐसे समय में हुआ जब तीन देश आमने सामने खुलेआम मिसाइलों से हमले कर रहे हैं । इस युद्ध की वजह से पूर्ण विश्व महंगाई सहित अन्य चीजों से कराहा उठा है। कच्चे तेल ने खेल ही कर दिया। बात कर रहे हैं पाकिस्तान की जो कि अन्य देशों की तुलना में भुखमरी के कगार पर है ऐसे में वह काबुल पर असमय बमबारी कर रहा है मासूमों की जान ले रहा है। पूरा विश्व खामोशी के साथ यह सब देख रहा है। ज्ञात रहे कि पाकिस्तान को अपने आस्तीन में पालने वाले देश भी भलीभांति जान ले कि जो दूसरों के लिए गड्ढा खोदता है सबसे पहले वही उस गड्ढे में गिरता है। ऐसा ही हाल उन देशों का हो रहा है जो अपने महान देश बनाने के चक्कर में शांति के लिये भी खतरा बनते जा रहे हैं। ऐसे पाकिस्तान देश कितने दिनों के हैं। जब दूसरे पर बम फोड रहे हैं तो दूसरा देश बदला तो लेगा ही। कहने का आशय है कि जो देश गरीबी में जी हरा है। वह अपने को विकास करने की जगह अपने को आग की भट्टी में झोंक रहा है। भारत ने भी कड़े शब्दों में निंदा कर कहा है कि पाकिस्तान अब इस नरसंहार को सैन्य अभियान का नाम देने की कोशिश कर रहा है। पाकिस्तान द्वारा किया गया यह घृणित आक्रमण अफगानिस्तान की संप्रभुता पर एक स्पष्ट हमला है और क्षेत्रीय शांति तथा स्थिरता के लिए सीधा खतरा है। यह पाकिस्तान के लगातार लापरवाह व्यवहार और अपनी आंतरिक विफलताओं को सीमा पार हिंसा के बढ़ते हिंसक कृत्यों के माध्यम से छिपाने के बार-बार किए जाने वाले प्रयासों को दर्शाता है। यह हमला रमजान के पवित्र महीने के दौरान किया गया, जो दुनिया भर के मुस्लिम समुदायों के लिए शांति, चिंतन और दया का समय होता है, जो इसे और भी निंदनीय बनाता है। ऐसा कोई धर्म, कोई कानून या कोई नैतिकता नहीं है जो किसी अस्पताल और उसके मरीजों को जानबूझकर निशाना बनाने को उचित ठहरा सके। अंतरराष्ट्रीय समुदाय को इस आपराधिक कृत्य के दोषियों को जवाबदेह ठहराना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि अफगानिस्तान में पाकिस्तान द्वारा नागरिकों को निशाना बनाने का यह अंधाधुंध हमला तत्काल बंद हो।

पाकिस्तान को स्वयं अपने अंदर झांकना चाहिए। 1947 से भारत से अलगहोकर पता नहीं क्यों अपने अंदर इतनी नफरत पाल ली है कि उसमें से वह निकलना नहीं चाहता ? दो भाई जब अलग होते हैं जो कि एक सामान्य सी प्रक्रिया है। हालांकि अलग होने में दर्द बहुत होता है लेकिन विस्तार के लिए यानी पाकिस्तान का जिसके लिए निर्माण हुआ वह 1947 के बाद से आज तक दिखा नहीं? पाकिस्तान को भारत को कमजोर करने के लिए कुछ विदेशी ताकतें पोश रही है लेकिन भारत पूर्व में भी अपनी शांति का परिचय देता आया है लेकिन जब जब जरूरत पड़ी तब तब अदम्य साहस विकसितता का परिचय देता आया है।

लोकदेश सार

युद्ध की जिद में श्रीलंका नहीं देगा अमेरिका का साथ

कोलंबो। श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने संसद में एक बड़ी जानकारी साझा की है। उन्होंने बताया कि श्रीलंका ने मार्च की शुरूआत में अपने मत्तला अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर दो अमेरिकी लड़ाकू विमानों को उतरने की अनुमति नहीं दी। राष्ट्रपति के अनुसार, जिबूती स्थित बेस से दो अमेरिकी लड़ाकू विमानों ने चार और आठ मार्च को श्रीलंका आने की अनुमति मांगी थी। इन विमानों पर आठ एंटी-शिप मिसाइलें तैनात थीं। श्रीलंका सरकार ने इन दोनों ही अनुरोधों को ठुकरा दिया। दिसानायके ने कहा कि कई तरह के दबावों के बावजूद श्रीलंका अपनी तटस्थता बनाए रखना चाहता है। उन्होंने साफ किया कि वे किसी के आगे नहीं झुकेंगे। पश्चिम एशिया के युद्ध से चुनौतियां पैदा हो रही हैं, लेकिन श्रीलंका तटस्थ रहने के लिए हर संभव कोशिश करेगा। यह बयान अमेरिकी विशेष दूत सर्जियो गोर से राष्ट्रपति की मुलाकात के एक दिन बाद आया है।

लुम्बिनी में अंतरराष्ट्रीय शांति सम्मेलन शुरू

काठमांडू। लुम्बिनी में तीसरा अंतरराष्ट्रीय शांति सम्मेलन शुरू हो गया है। शुक्रवार से यहां शांति सम्मेलन के साथ-साथ तीसरा अंतरराष्ट्रीय ध्यान दिवस भी आरंभ हुआ है। यह आयोजन नेपाल सरकार के पर्यटन तथा संस्कृति मंत्रालय, नेपाल पर्यटन बोर्ड, लुम्बिनी विकास कोष और नेपाल ओलंपिक समिति ने संयुक्त रूप से किया गया है। इस अवसर पर संस्कृति, पर्यटन तथा नागरिक उड्डयन मंत्री अनिल कुमार सिन्हा ने कहा कि अव्यवस्थित और चुनौतियों से भरे आज के विश्व में शांति ही एकमात्र प्रमुख विकल्प है। वर्तमान अनिश्चित और अस्थिर परिस्थितियों में शांति ही मानव जाति की साझा आकांक्षा और सभ्यता का मूल आधार है। लुम्बिनी से पूरे विश्व में शांति का संदेश फैलाया जा सकता है। मंत्री सिन्हा ने कहा, लुम्बिनी विश्व शांति का स्रोत और मानवता की साझा धरोहर है। यूनेस्को की धरोहर सूची में शामिल यह स्थल अशोक स्तंभ से विश्वभर में बौद्ध धर्म और शांति का संदेश फैलाता रहा है।

दक्षिण कोरिया : कारखाने में लगी आग, 50 लोग झुलसे

सियोल। दक्षिण कोरिया के मध्य शहर डेजॉन में कार के पुर्जों के एक कारखाने में लगी आग से कम से कम 50 लोग झुलस गए हैं। इनमें से 35 की हालत गंभीर है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने गृह मंत्रालय और अग्निशमन एजेंसी को राहत और बचाव कार्य के लिए आपातकालीन निर्देश दिए हैं। शुक्रवार को मध्य शहर डेजॉन में कार के पुर्जों के एक कारखाने में आग लग गई। इस दौरान कम से कम 50 लोग झुलस गए। आग लगने की सूचना दोपहर करीब 1:17 बजे मिली। इसके बाद राष्ट्रीय अग्निशमन एजेंसी ने देशव्यापी अग्निशमन अभियान का आदेश जारी कर दिया। प्रधानमंत्री किम मिन-सियोक के कार्यालय ने बताया कि गृह मंत्रालय कि लोगों को बचाने और आग बुझाने के लिए उपलब्ध सभी उपकरणों और कर्मचारियों का इस्तेमाल किया जाए।

घरेलू एलपीजी उत्पादन स्थिर है और पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध : केन्द्र सरकार

नई दिल्ली। केन्द्र सरकार का कहना है कि पश्चिम एशिया के हालात के बीच देश की सभी रिफाइनरियां पर्याप्त कच्चे तेल के भंडार के साथ अपनी पूरी क्षमता से काम कर रही हैं। घरेलू एलपीजी उत्पादन स्थिर है और पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। लगभग 7500 उपभोक्ताओं ने एलपीजी से पीएनजी (पेट्रोलियम प्लेज) पर स्विच कर लिया है। युद्ध के कारण स्थिति चिंताजनक बनी हुई है लेकिन घेरलू गैस वितरकों के पास किसी भी प्रकार की कमी की सूचना नहीं मिली है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने कहा कि पर्याप्त कच्चे तेल और एलपीजी स्टॉक के साथ रिफाइनरियां अपनी अधिकतम क्षमता पर काम कर रही हैं। लगभग 93 प्रतिशत बुकिंग ऑनलाइन हैं और डिलीवरी प्रमाणित हो चुकी है।

उपभोक्ताओं को पीएनजी की ओर रुख करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि 18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को वाणिज्यिक एलपीजी आवंटन प्राप्त हुआ है। पिछले सप्ताह अस्पतालों और शैक्षणिक संस्थानों जैसे प्राथमिकता वाले क्षेत्रों को 11,300 टन की आपूर्ति की गई है। कालाबाजारी रोकने के लिए नियंत्रण कक्षों, जिला समितियों के साथ-साथ तेल विपणन कंपनियां निरीक्षण के माध्यम से निगरानी तेज कर दी गई है। उन्होंने कहा कि नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वे घबराकर बुकिंग न करें, आधिकारिक जानकारी पर भरोसा करें और घर पर डिलीवरी का इंतजार करें।

राष्ट्रपति मुर्मु ने प्रेमानंद महाराज से की भेंट, लिया आशीर्वाद

मथुरा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने आज अपने दूसरे दिन के दौरे के दौरान वृंदावन में प्रसिद्ध संत प्रेमानंद महाराज से मुलाकात की। शुक्रवार सुबह राष्ट्रपति श्री हित राधा केली कुंज आश्रम पहुंचीं, जहां उन्होंने प्रेमानंद महाराज के दर्शन किए और बातचीत की। राष्ट्रपति की इस यात्रा को लेकर पूरे मथुरा-वृंदावन क्षेत्र में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। वो सुबह करीब 7:30 बजे सुरक्षा के कड़े पहरे के बीच आश्रम पहुंचीं। प्रेमानंद महाराज ने राष्ट्रपति को ब्रज की महिमा और सेवा भाव का महत्व समझाया।

यूरोपीय शिखर बैठक के बाद ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान और नीदरलैंड तैयार

युद्ध विराम की शर्त पर छह देश करेंगे होर्मुज पर मदद

▪ एजेन्सी, ब्रुसेल्स

पश्चिम एशिया में करीब तीन हफ्तों से जारी युद्ध के बीच बेल्जियम की राजधानी ब्रुसेल्स में गुरुवार को हुई यूरोपीय शिखर बैठक के बाद ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान और नीदरलैंड ने कहा है कि वे होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित मार्ग सुनिश्चित करने में योगदान देने को तैयार हैं। हालांकि इटली, जर्मनी और फ्रांस ने साफ कर दिया है कि किसी भी तरह की ठोस पहल केवल युद्धविराम के बाद ही संभव होगी।

होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में से एक है, जहां से सामान्य समय में वैश्विक कच्चे तेल और एलएनजी का लगभग 20% गुजरता है। ईरान के खिलाफ अमेरिका-इजराइल टकराव से यहां स्थिति बेहद गंभीर हो गई है। द ऑस्ट्रेलियन सहित विभिन्न मीडिया रिपोर्टस के अनुसार, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान और नीदरलैंड ने कहा कि वे होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित मार्ग सुनिश्चित करने के लिए उचित प्रयासों में योगदान देने के लिए तैयार हैं। इस समूह ने कहा कि वे उन देशों की प्रतिबद्धता का स्वागत करते हैं जो प्रारंभिक योजना बनाने में लगे हुए हैं। हालांकि इटली, जर्मनी और फ्रांस ने बाद में यह स्पष्ट कर दिया कि वे किसी तत्काल सैन्य मदद की बात नहीं कर रहे हैं बल्कि युद्धविराम के बाद एक संभावित बहुपक्षीय पहल की बात कर रहे हैं। यह घोषणा ऐसे समय में आई है जब जलडमरूमध्य पर ईरान की प्रभावी नाकेबंदी ने इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग से होने वाली वाणिज्यिक शिपिंग को ठप कर दिया है। शांति के समय में इस मार्ग से दुनिया के कच्चे तेल और द्रवीकृत प्राकृतिक गैस का पांचवां हिस्सा गुजरता है।

अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन के अनुसार, इस स्थिति के कारण जलडमरूमध्य के पश्चिम में लगभग 3,200 जहाजों पर

सवार लगभग 20,000 नाविक फंसे हुए हैं। इस बीच 10 टैंकरों सहित 23 वाणिज्यिक जहाजों ने घटनाओं की सूचना दी है या बताया कि उन पर हमला हुआ है।

सहयोगी देशों के संयुक्त बयान में कहा गया कि हम बढ़ते संघर्ष पर गहरी चिंता व्यक्त करते हैं। इटली के रक्षा मंत्री गुइडो क्रोसेटो ने कहा कि छह देशों के इस बयान को ₹जंगी मिशन₹ के तौर पर नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि बिना किसी युद्धविराम और एक बड़े पैमाने पर बहुपक्षीय पहल के होर्मुज में कोई एंट्री नहीं होगी और इसके लिए संयुक्त राष्ट्र का कानूनी ढांचा मुहैया कराना सही और उचित होगा। जर्मनी के रक्षा मंत्री बोरिस पिस्टोरियस ने कहा कि जर्मन सेना की किसी भी तरह की भागीदारी युद्धविराम के बाद की स्थिति पर निर्भर करेगी। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने पत्रकारों से कहा कि उनका देश संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्यों से इस बारे में बात करने की योजना बना रहा है कि भविष्य की योजनाओं के लिए संयुक्त राष्ट्र का कोई ढांचा बनाया जा सकता है या नहीं। यह तब होगा जब होर्मुज जलडमरूमध्य में चल रही गोलीबारी बंद हो जाएगी, ताकि वहां जहाजों की आवाजाही सुरक्षित हो सके।

ईरानी अफसर की एयरस्ट्राइक में मौत इजराइल को दी थी धमकी

ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के प्रवक्ता जनरल अली मोहम्मद नैनी की शुक्रवार को हवाई हमले में मौत हो गई। इरान ने एक बयान जारी कर उनकी मौत की पुष्टि की है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, नैनी को हालिया हमले में निशाना बनाया गया। नैनी ने अपने आखिरी बयान में कहा था कि इजराइल और प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के लिए सरप्राइज तैयार है। उन्होंने दावा किया था कि ईरान की मिसाइल क्षमता अपने चरम पर है और दुश्मन को जल्द ही इसका असर देखने को मिलेगा। नैनी ने यह भी कहा था कि युद्ध के बावजूद ईरान लगातार मिसाइल उत्पादन कर रहा है और उसके पास पर्याप्त भंडार मौजूद है। लेकिन उनका यह बयान सामने आने के कुछ ही घंटों बाद नैनी अमेरिकी-इजराइली हमले में मारे गए। ईरान ने इस हमले को 'कायराना' करार देते हुए कहा कि यह उसके शीर्ष सैन्य नेतृत्व को निशाना बनाने की साजिश का हिस्सा है।

खार्ग पर कब्जे की तैयारी में ट्रंप

जंग के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान के खार्ग आइलैंड पर कब्जा करने की तैयारी कर रहे हैं, ताकि ईरान पर दबाव बनाकर होर्मुज स्ट्रेट को दोबारा खुलवाया जा सके। अमेरिकी मीडिया एक्सिओस की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका पहले ईरान को सैन्य हमलों से कमजोर करेगा और फिर इस अहम तेल टर्मिनल पर कंट्रोल हासिल कर बातचीत में बढ़त बनाने की कोशिश करेगा। खार्ग आइलैंड ईरान के लिए बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि यहां से उसके लगभग 90 फीसदी तेल निर्यात होता है। हालांकि अभी तक इस योजना पर अंतिम फैसला नहीं लिया गया है, लेकिन अमेरिकी प्रशासन ने क्षेत्र में अतिरिक्त सैनिकों की तैनाती को मंजूरी दे दी है।

फारस की खाड़ी में भारत के 22 जहाज और 611 नाविक सुरक्षित

मिडिल ईस्ट में जारी तनाव के बीच भारत के लिए राहत की खबर सामने आई है। शिपिंग मंत्रालय के मुताबिक, फारस की खाड़ी क्षेत्र में मौजूद भारत के सभी 22 जहाज और उन पर सवार 611 भारतीय नाविक पूरी तरह सुरक्षित हैं। सरकार ने बताया कि पिछले 24 घंटों में किसी भी तरह की समुद्री घटना की सूचना नहीं मिली है। अधिकारियों के अनुसार, सभी जहाजों और उनके क्रू के साथ लगातार संपर्क बना हुआ है और उनकी सुरक्षा पर नजर रखी जा रही है। सरकार का कहना है कि मौजूदा हालात को देखते हुए शिपिंग मूवमेंट, पोर्ट ऑपरेशन और समुद्री व्यापार सुनिश्चित करने के लिए हर जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं।

खाड़ी देशों से 3 लाख लोग भारत लौटे

मिडिल-ईस्ट में जारी जंग के बीच 28 फरवरी से अब तक करीब 3 लाख लोग खाड़ी देशों से भारत वापस आ चुके हैं। विदेश मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव (गल्फ) असीम आर महाजन के मुताबिक, यूएई से शुक्रवार को करीब 90 उड़ानें भारत आने-जाने वाली हैं। ओमान और सऊदी अरब से भी फ्लाइट ऑपरेशन जारी हैं। कतर का एयरस्पेस आंशिक रूप से खुलने के बाद कुछ उड़ानें शुरू हुई हैं, जबकि कुवैत और बहरीन का एयरस्पेस अभी भी बंद है। फंसे हुए भारतीयों की मदद के लिए कुवैत और बहरीन से विशेष फ्लाइट्स की व्यवस्था की जा रही है, ताकि उन्हें सुरक्षित भारत लाया जा सके। मिडिल ईस्ट में जारी जंग के चलते खाड़ी देशों 6 भारतीय नागरिकों की मौत हो गई है, जबकि एक व्यक्ति अब भी लापता है। यह जानकारी विदेश मंत्रालय ने दी है। असीम आर महाजन ने बताया कि सऊदी अरब, ओमान, इराक और वआए में भारतीय मिशन स्थानीय प्रशासन के संपर्क में हैं, ताकि लापता व्यक्ति का पता लगाया जा सके और मृतकों के शव भारत लाए जा सकें।

टीएमसी का घोषणा-पत्र जारी, महिला युवा को सालाना 18 हजार रुपए मिलेंगे

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव 2026 के लिए सत्ताधारी दल तृणमूल कांग्रेस की तरफ से चुनावी घोषणापत्र जारी किया गया। राजधानी कोलकाता में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी समेत तमाम नेताओं की मौजूदगी में ये चुनावी घोषणा पत्र जारी किया गया है। बंगाल के लिए दीदी की 10 प्रतिज्ञाओं में पहली लक्ष्मी भंडार योजना के तहत सामान्य वर्ग की महिलाओं को 1500 रुपए प्रति माह और एससी/एसटी वर्ग की महिलाओं 1700 रुपए प्रति माह दिए जाएंगे। दुआरे चिकित्सा योजना के तहत घर-घर पर लोगों को मिलेगी चिकित्सा सेवा मिलेगी। वहीं बेरोजगार युवाओं को 1500 रुपए प्रति माह दिए जाएंगे। बंगाल में 30,000 करोड़ का कृषि बजट के तहत किसान परिवारों को सहायता और भूमिहीन किसानों को मदद की जाएगी। बंगाल के सभी परिवार के पास एक पक्का मकान, हर घर तक पीने का पानी पाइप के माध्यम से पहुंचेगा, बांग्लार शिक्षायतन योजना के तहत स्कूलों के बुनियादी ढांचे का समग्र विकास किया जाएगा। विश्व-स्तरीय लॉजिस्टिक्स, बंदरगाह, व्यापारिक ढांचा और अत्याधुनिक वैश्विक व्यापार केंद्र बनेगा। मौजूदा लाभार्थियों को वृद्धावस्था पेंशन का निर्बाध लाभ दिया जाएगा। राज्य में सात नए जिले बनाने की घोषणा भी की गई।

थाईलैंड से साझेदारी होगी मजबूत: पीएम मोदी

▪ एजेन्सी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को अनुतिन चर्नविराकुल को थाईलैंड का प्रधानमंत्री चुने जाने पर बधाई दी। उन्होंने उम्मीद जताई कि दोनों नेता मिलकर भारत और बैंकॉक के बीच रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करेंगे। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट साझा किया। उन्होंने कहा कि भारत और थाईलैंड के रिश्ते साझा सभ्यता और संस्कृति पर आधारित हैं। दोनों देशों के लोगों के बीच बहुत पुराने और गहरे संबंध हैं। उन्होंने जोर दिया कि दोनों देश शांति, प्रगति और समृद्धि के साझा लक्ष्यों के लिए एकजुट हैं।

थाईलैंड के निचले सदन ने गुरुवार को अनुतिन चर्नविराकुल को देश का नया प्रधानमंत्री चुना। उन्हें कुल 293 वोट मिले। 59 साल के अनुतिन को 8 फरवरी के आम चुनाव के बाद संसदीय मतदान में चुना गया है। उनके प्रतिद्वंद्वी नत्थाफोंग रुआंगपान्यवुत को सिर्फ 119 वोट मिले। मतदान के दौरान 86 सदस्यों ने हिस्सा नहीं लिया। अनुतिन की पार्टी 'भूमजईथाई' ने 500 सीटों वाले सदन में 191 सीटें जीती थीं। उन्होंने पीपुल्स पार्टी को पीछे छोड़ दिया, जिसे 120 सीटें मिली थीं। इसके बाद अनुतिन ने 16 पार्टियों का एक गठबंधन बनाया। इसमें फेउ थाई पार्टी भी शामिल है। इस गठबंधन के पास कुल 292 सीटें हैं।

अनुतिन पिछले दो दशकों में दोबारा सत्ता में लौटने वाले पहले थाई प्रधानमंत्री बने हैं। हालांकि, उनके सामने कई चुनौतियां भी हैं। उन्हें साल 2022 में भांग को अपराध की श्रेणी से बाहर करने के लिए जाना जाता है। अगस्त 2025 में पैतोंगतार्न शिनावात्रा को पद से हटा दिया गया था। कंबोडियाई नेता हुन सेन के साथ उनकी फोन कॉल लीक होने के बाद कोर्ट ने यह फैसला सुनाया था। इसके बाद अनुतिन ने अल्पसंख्यक सरकार का नेतृत्व किया था। थाईलैंड और कंबोडिया के बीच सीमा विवाद भी एक बड़ी समस्या है। दोनों देशों के बीच संघर्ष विराम के बाद फिर से लड़ाई शुरू हो गई थी।

अवैध बेटिंग, सट्टेबाजी की 300 वेबसाइट्स ब्लॉक

नई दिल्ली। केन्द्र सरकार ने ऑनलाइन चल रहे अवैध जुआ और सट्टेबाजी के खिलाफ कार्रवाई तेज करते हुए 300 और वेबसाइटों व ऐप्स को ब्लॉक कर दिया है। ऑनलाइन गेमिंग एक्ट लागू होने के बाद से इन गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार नए कानून के तहत अब तक कुल 4,900 प्लेटफॉर्म्स पर गाज गिरी है। इनकी कुल संख्या अब 8,400 हो जाती है। हालिया कार्रवाई के निशाने पर मुख्य रूप से ऑनलाइन स्पोर्ट्स बेटिंग प्लेटफॉर्म, ऑनलाइन कैसीनो (स्लॉट्स, रूलेट और लाइव डीलर टेबल) और बेटिंग एक्सचेंज शामिल हैं। इसके अलावा सट्टा नेटवर्क पर भी शिकंजा कसा गया है। सट्टा-मटका जुआ नेटवर्क और पैसों का लालच देने वाले गेम ऐप्स को भी प्रतिबंधित किया गया है।

मोहन भागवत बोले

युद्ध स्वार्थी हितों का नतीजा, भारत ही कराएगा खत्म

मोहन भागवत ने नसीहत दी कि दुनिया को संघर्ष की नहीं, बल्कि सद्भाव की जरूरत

▪ एजेन्सी, नागपुर

ईरान-अमेरिका जंग पर आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने दुनिया को शांति का संदेश दिया है। नागपुर में संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि युद्ध केवल स्वार्थी हितों का परिणाम है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का नाम लिए बगैर मोहन भागवत ने नसीहत दी कि दुनिया को संघर्ष की नहीं, बल्कि सद्भाव की जरूरत है। उन्होंने भी इस बात पर जोर दिया कि युद्ध केवल भारत ही खत्म कर सकता है।

महाराष्ट्र के नागपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने शुक्रवार को कहा कि दुनिया में संघर्षों की जड़ स्वार्थ एवं वर्चस्व की चाह है और स्थायी शांति केवल एकता, अनुशासन और धर्म के पालन से ही प्राप्त की जा सकती है। कई देश कह रहे हैं कि केलल भारत ही चल रहे युद्ध को खत्म कर सकता है। दुनिया के चिंतकों के ध्यान में बार-बार देशों से आवाज उठ रही है कि चल रहे युद्ध को खत्म भारत ही कर सकता है क्योंकि विकासशील भारत की प्रवृत्ति का ज्ञान है।

मोहन भागवत ने एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि दुनिया 2,000 वर्षों से संघर्षों के समाधान के लिए विभिन्न विचारों के साथ प्रयोग करती रही है लेकिन उसे खास सफलता नहीं मिली. उन्होंने कहा कि धार्मिक असहिष्णुता, जबरन धर्म परिवर्तन और श्रेष्ठता एवं हीनता के विचार अब भी मौजूद हैं।

आरएसएस प्रमुख भागवत ने नागपुर में विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के कार्यालय की आधारशिला रखने के बाद इस सभा को संबोधित करते हुए कहा कि भारत का प्राचीन ज्ञान सिखाता है कि सभी जुड़े हुए हैं और एक हैं। उन्होंने संघर्ष से सौहार्द और सहयोग की ओर बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आधुनिक विज्ञान भी धीरे-धीरे इसी समझ की ओर बढ़ रहा है। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि दुनिया में संघर्षों की जड़ स्वार्थ एवं वर्चस्व की चाह है और स्थायी शांति केवल एकता, अनुशासन और धर्म के पालन से ही हासिल की जा सकती है। मोहन भागवत ने आचरण के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि धर्म केवल शास्त्रों तक सीमित नहीं रह सकता बल्कि यह लोगों के व्यवहार में भी दिखना चाहिए।

अनुशासन के पालन के लिए अभ्यास की जरूरत

उन्होंने कहा कि अनुशासन और नैतिक मूल्यों के पालन के लिए निरंतर अभ्यास की जरूरत होती है और इसमें अक्सर व्यक्तिगत कठिनाई भी झेलनी पड़ती हैं। भागवत ने कहा कि भारत मानवता में विश्वास करता है जबकि अन्य देश अस्तित्व के लिए संघर्ष और ताकतवर के टिके रहने के सिद्धांत को मानते हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया को संघर्ष नहीं, बल्कि सौहार्द की जरूरत है। नागपुर में एक मराठी अखबार के 100 साल पूरे होने पर भागवत ने बताया कि स्वयंसेवकों को मजबूत बनाने और काम बेहतर करने के लिए संगठन में बदलाव किए गए हैं।

पके-पके आम देखकर आ रहा मुंह में पानी ? खाते समय ना करें लापरवाही, वरना बढ़ जाएगी परेशानी

आम का सीजन आ रहा है. इस मौसम में पके-पके आम खाने को मिलते हैं. इसे खाने के लिए लोग गर्मी का बेसब्री से इंतजार करते हैं. आम बेहद फायदेमंद फल है. इसमें विटामिन ए, सी, फाइबर और प्रोटीन समेत कई तरह के पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो शरीर के लिए जरूरी होते हैं. हालांकि, आम खाते समय जरा सी लापरवाही गंभीर रूप से बीमार बना सकती है. इससे पॉइजनिंग तक का रिस्क हो सकता है. ऐसे में जब भी बाजार से आम खरीदें तो कुछ बातों का ख्याल रखें.

गर्मी में आम खाने को लेकर बरतें सावधानी

हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक, आम बेहद स्वादिष्ट होते हैं. हालांकि, इसे खाने को लेकर की गई लापरवाही सेहत को गंभीर नुकसान पहुंचा सकती है. खासकर बाजार में मिलने वाले कोई भी फल गंभीर स्वास्थ्य दुष्प्रभाव छोड़ सकते हैं. दरअसल, बाजार में जो फल मिलते हैं, उन्हें पकाने के लिए कैल्शियम कार्बाइड का इस्तेमाल होता है. मानव शरीर के लिए यह एक खतरनाक केमिकल है.

फलों को पकाने में हानिकारक केमिकल्स का इस्तेमाल

रिपोर्ट्स के अनुसार, हाल के कुछ सालों में फलों को पकाने में कैल्शियम कार्बाइड का इस्तेमाल बढ़ा है. इससे कई बीमारियां भी तेजी से बढ़ी हैं. एक्सपर्ट्स के मुताबिक, जब कैल्शियम कार्बाइड को पानी में मिलाते हैं तो एसिटिलीन गैस निकलती है, जो फलों को पकाने के काम आती है. कई रिसर्च में पाया गया है कि कैल्शियम कार्बाइड और एसिटिलीन गैस दोनों ही सेहत के लिए खतरनाक हो सकते हैं. इनसे पके फलों को खाने से पॉइजनिंग का खतरा रहता है. मानव शरीर के लिए जहरीले हो सकते हैं.

कैल्शियम कार्बाइड और इसके नुकसान

हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक, फल उत्पादन उद्योग में काम करने वाले श्रमिकों में गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा ज्यादा रहता है, क्योंकि वे कैल्शियम कार्बाइड के ज्यादा संपर्क में रहते हैं. इसकी वजह से उनमें पल्मोनरी एडिमा यानी फेफड़ों में तरल पदार्थ जमना, कार्डियक अरेस्ट, कोलन और प्रोस्टेट कैंसर जैसी खतरनाक बीमारियां हो सकती हैं. इतना ही नहीं एसिटिलीन गैस बहुत ज्यादा ज्वलनशील और विस्फोटक होती है. इसके पास रहने से सांस लेने में भी परेशानियां हो सकती हैं.

आम खाने से पहले क्या करें

हेल्थ एक्सपर्ट्स के अनुसार, कैल्शियम कार्बाइड की वजह से होने वाली स्वास्थ्य समस्याओं से बचने के लिए किसी भी फल को खाने से पहले कम से कम आधे घंटे तक पानी में रखें. इसके बाद सही तरह साफ करके ही उन्हें खाएं. बाजार से फल और सब्जियां लाने के बाद उनके रख-रखाव पर ध्यान दें.

भुनते हुए अक्सर जल जाते हैं प्याज

प्याज एक ऐसी चीज़ है जिसका इस्तेमाल हम सभी नियमित रूप से खाना पकाने में करते हैं. किसी डिश के बेस को तैयार करने के लिए इसका विशेष रूप से इस्तेमाल किया जाता है, जिससे स्वाद कई गुना बढ़ जाता है.

प्याज भुनना हर डिश को कुक करने का सबसे पहला स्टेप है और इसी में कई लोग गलती कर जाते हैं. अगर आपके प्याज भी भुनते हुए या तो जल जाते हैं या फिर कच्चे रह जाते हैं, तो यहां कुछ ट्रिक्स बताए गए हैं, उन्हें फॉलो करें.

प्याज को समान रूप से काटें. क्योंकि जिस तरह से आप अपने प्याज को काटते हैं, उससे उन्हें जलने से रोका जा सकता है. सबसे बेहतरीन परिणामों के लिए, आपको उन्हें एक बराबर काटना चाहिए. अगर आप उन्हें असमान रूप से काटते हैं, तो इस बात की बहुत अधिक संभावना है कि प्याज ठीक से नहीं पकेंगे.

धीमी-मध्यम आंच पर पकाएं. प्याज भूनते समय इस बात का विशेष रूप से ध्यान रखें कि आपने फ्लेम को कितना रखा है. अधिकांश लोग यह सोचकर फ्लेम हाई कर देते हैं कि इससे प्याज जल्दी भुन जाएंगे. लेकिन ऐसा नहीं है, क्योंकि इससे स्थिति और खराब हो जाती है. आंच को हमेशा धीमी से मध्यम रखें, इससे प्याज अच्छे से पक जाएंगे. पर्याप्त तेल का इस्तेमाल करें. प्याज भूनते समय आपको तेल की मात्रा का भी ध्यान रखना चाहिए. अगर पर्याप्त मात्रा में तेल नहीं होगा, तो वे ठीक से नहीं पकेंगे. हालांकि, बहुत कम या बहुत अधिक तेल मिलाना भी सही नहीं है. लगातार प्याज को हिलाते रहें. एक बार जब आपके पास पैन में कटा हुआ प्याज और तेल हो, तो आपको उन्हें हिलाते रहना होगा. इससे हमारा मतलब यह नहीं है कि आपको लगातार ऐसा करने की ज़रूरत है, लेकिन कुछ मिनटों के अंतराल पर ऐसा करते रहें. यह प्याज को तवे पर चिपकने से रोकता है और यह भी सुनिश्चित करता है कि वे जलें नहीं. कुछ भी पकाते समय धैर्य रखना सबसे जरूरी है. प्याज भूनते वक्त भी. यह एक धीमी प्रक्रिया लग सकती है, लेकिन थोड़ा धैर्य रखने से आपके प्याज को खराब होने से बचाया जा सकता है.

कहीं कीवी बन न जाए परेशानी की वजह... अगर इससे ज्यादा खाई तो होगा डबल नुकसान!

कीवी सेहत के लिए रामबाण से कम नहीं है. इसमें विटामिन सी, पोटैशियम और अन्य महत्वपूर्ण पोषक तत्व पाए जाते हैं लेकिन इसमें एक खास एंजाइम भी पाया जाता है, जो कुछ लोगों में पेट की समस्याओं का कारण बन सकता है. ऐसा कीवी ज्यादा खाने पर होता है. दरअसल, कीवी एक ऐसा फल है, जो डेंगू की बीमारी को ठीक कर देता है. साथ ही शरीर की रिकवरी के लिए लाभदायक होता है. यह खाने को पचाने में मदद भी करता है, लेकिन अगर इसे ज्यादा मात्रा में खा लिया जाए तो कई दिक्कतें भी शुरू हो सकती हैं. नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन की एक रिपोर्ट के अनुसार, ज्यादा कीवी खाने से पेट की समस्याएं और एलर्जी भी हो सकती हैं.

ज्यादा कीवी खाने से कौन-कौन सी समस्याएं

ब्लीडिंग प्रॉब्लम - कीवी के अधिक सेवन से कुछ लोगों को ब्लीडिंग हो जाती है. कीवी शरीर में खून के जमने की प्रक्रिया के समय को बढ़ा देता है, जिससे खून का बहाव रूकता नहीं है. इसकी वजह से छोटी सी चोट के बाद भी ज्यादा ब्लीडिंग होने लगती है. इसलिए ज्यादा कीवी खाने से मना किया जाता है.

एलर्जी - ज्यादा मात्रा में कीवी खाने से कई लोगों में एलर्जी की समस्या भी हो सकती है. इसमें क्रॉस सेंसिटाईजेशन नाम की एलर्जी भी है. ऐसा होने पर छोटी-मोटी चोट में भी बहुत ज्यादा दर्द होता है. खून भी ज्यादा निकलती है. इससे स्किन प्रॉब्लम्स और लाल चकत्ते भी हो सकते हैं.

जी मचलना - ज्यादा कीवी खाने से कुछ लोगों में पेट की समस्याएं हो जाती हैं. इसकी वजह से पेट दर्द, उल्टी, जी मचलना, डायरिया और पाचन से जुड़ी दिक्कतें होती हैं. इस वजह से ज्यादा कीवी खाने से मना किया जाता है.

ओरल एलर्जी सिंड्रोम - अधिक मात्रा में कीवी खाने से कुछ लोगों को मुंह में सूजन भी हो जाती है. कीवी में मौजूद एंजाइम ब्रोमेलिन के कारण, कुछ लोगों में ऐसे एलर्जिक रिएक्शन देखने को मिल सकते हैं. अगर कीवी खाने के बाद इनमें से कोई भी लक्षण नजर आए तो डॉक्टर को दिखाना चाहिए.

स्ट्रॉबेरी खाना किडनी रोगियों के लिए होता है लाभदायक, मिलते हैं कई फायदे

शरीर के स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए फलों का सेवन अच्छा माना जाता है। इसी कड़ी में स्ट्रॉबेरी को सभी पसंद करते हैं, जो अपने बढ़िया स्वाद और स्वास्थ्य लाभों के लिए जानी जाती है।इसका सेवन करना किडनी को स्वस्थ रखने के लिए भी लाभदायक होता है। स्ट्रॉबेरी को डाइट में शमिल करने से किडनी की बीमारियों से आराम मिल सकता है।स्ट्रॉबेरी का रोजाना सेवन करने से किडनी रोगियों को कई फायदे मिल सकते हैं।

कम मात्रा में होता है पोटेशियम

पोटेशियम विभिन्न प्रकार के खाद्य पदार्थों में पाया जाने वाला खनिज है, जो शरीर के लिए जरूरी होता है। हालांकि, किडनी रोगियों को इसका सेवन सीमित करने के लिए कहा जाता है।एडवांसेज इन न्यूट्रिशन में प्रकाशित एक अध्ययन में पाया गया कि कम पोटेशियम वाले खाद्य पदार्थ क्रॉनिक किडनी रोग के खतरे को कम करने में मदद करते हैं।स्ट्रॉबेरी में पोटेशियम कम होता है, जिस वजह से यह किडनी की बीमारियों से पीड़ित लोगों के लिए अच्छी है।

एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर

स्ट्रॉबेरी विटामिन सी, एंथोसायनिन और फ्लेवोनोइड जैसे एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होती है। ये यौगिक ऑक्सीडेटिव तनाव और सूजन को कम करने में मदद कर सकते हैं।यह बेरी संभावित रूप से किडनी की बीमारी की प्रगति को धीमा कर सकती है। साथ ही इसके सेवन से शरीर की पुरानी बीमारियों के जोखिम को भी कम किया जा सकता है।स्ट्रॉबेरी के सेवन से हमारे शरीर को कई स्वास्थ्य संबंधी फायदे भी मिलते हैं।

उच्च मात्रा में मौजूद होता है फाइबर

फाइबर से लैस स्ट्रॉबेरी खाने से पाचन संबंधी समस्याएं कम होती हैं। साथ ही यह खनिज ब्लड शुगर को नियंत्रित करके मधुमेह के लक्षण कम करता है, जो क्रॉनिक किडनी रोग का प्रमुख करक है।क्लिनिकल किडनी जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन में पाया गया है कि फाइबर से भरपूर खाद्य-पदार्थ क्रॉनिक किडनी रोग की प्रगति को कम करने में मदद कर सकते हैं। स्ट्रॉबेरी को इन 5 तरह से करें डाइट में शामिल।

दुरुस्त होता है दिल का स्वास्थ्य

किडनी के स्वास्थ्य के लिए दिल का स्वस्थ होना बेहद जरूरी होता है। आपका दिल आपके शरीर में ऑक्सीजन युक्त खून पहुंचाने का काम करता है, वहीं किडनी रक्त को फिल्टर करती है।साथ ही ये रक्तचाप को नियंत्रित करने के लिए आपके शरीर में पानी और नमक के स्तर को नियंत्रित करती हैं। आप दिल को स्वस्थ रखने और किडनी को ठीक तरह से काम करने में मदद करने के लिए स्ट्रॉबेरी को खान-पान में जोड़ें।

संतुलित मात्रा में होता है फास्फोरस और सोडियम

किडनी के रोगियों को कम फास्फोरस और सोडियम वाला खाना खाने की सलाह दी जाती है। स्ट्रॉबेरी में ये दोनों खनिज कम मात्रा में पाए जाते हैं।फास्फोरस और सोडियम, दोनों ही खनिज किडनी की समस्याओं को बढ़ाकर आपको बीमार कर सकते हैं।स्ट्रॉबेरी के इस्तेमाल से बनाकर पीएं ये 5 स्वादिष्ट पेय पदार्थ।अगर आप किडनी की बीमारी से पीड़ित हैं तो डॉक्टरी सलाह के बिना किसी भी नुस्खे का इस्तेमाल न करें। हमेशा अपने डॉक्टर की सलाह मानें।

अगर वेट लॉस के लिए रोज पी रहे हैं फ्रुट जूस तो ठहर जाएं, कहीं ये आपकी गलती तो नहीं

आजकल भागदौड़ भरी जिंदगी में हेल्थ पर ध्यान दे पाना सबसे चुनौती का काम है. अनहेल्दी खानपान और अस्त-व्यस्त लाइफस्टाइल की वजह से मोटापा और कई तरह की समस्याएं होने लगती है. शरीर का वजन बढ़ने से कई बीमारियां घेर लेती हैं. इसलिए वजन कम करने पर ज्यादा फोकस करने की सलाह दी जाती है. इसके लिए डाइट और एक्सरसाइज के साथ-साथ हेल्दी लाइफस्टाइल को फॉलो करना चाहिए. बहुत से लोग फ्रूट जूस पीकर वेट लॉस करने की कोशिश करते हैं, जो गलत तरीका माना जाता है. ऐसे में आइए जानें कि मोटापा कम करने के लिए फलों का सेवन किस तरह करना चाहिए.

वजन कम करने में जूस की भूमिका

बहुत से लोग वजन कम करने के लिए जूस पीना पसंद करते हैं. फलों,सब्जियों और हर्ब्स के साथ मसालें और आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियां मिलाकर कई तरह के वेट लॉस जूस बनाए जाते हैं. हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक, बहुत से लोग इसी गलतफहमी में रहते हैं कि फलों का जूस पीकर वे अपना वजन कम कर सकते हैं. लेकिन ऐसा नहीं है क्योंकि वेट लॉस में फ्रूट जूस पीने से नुकसान भी हो सकते हैं.

फ्रूट जूस पीने से क्यों नहीं कम होता वजन

कुछ अध्ययनों में पाया गया है कि फ्रूट जूस पीने से शरीर का वजन बढ़ सकता है. जिसका सेहत पर गंभीर असर पड़ सकता है. अध्ययनों के अनुसार, ऐसे लोग जो लिक्विड डाइट लेते हैं या सिर्फ फ्रूट जूस ही पीते हैं, उन्हें कुछ समय बाद मोटापा घेर सकता है.बच्चों में मोटापे का जोखिम ज्यादा होता है. अब सवाल कि हेल्दी होने के बावजूद फ्रूट जूस पीने से वजन क्यों बढ़ता है तो बता दें कि फलों में फ्रूक्टोज नाम का नेचुरल शुगर पाया जाता है, जो फलों का स्वाद मीठा बनाता है. फलों का जूस निकालने के बाद भी ये नेचुरल शुगर जूस में ही रह जाती है और इसे पीने से कैलोरी बढ़ जाती है. ये कैलोरी पेट में फैट बनकर जमा हो जाती है, जिससे वजन बढ़ता रहता है.

वजन कम करने फलों का सेवन कैसे करें

हेल्थ एक्सपर्ट्स के अनुसार, फ्रूट जूस पीने की बजाय फलों को काटकर खाना ज्यादा फायदेमंद होता है. जब फलों का जूस निकाला जाता है तब उन्हें पीसा या कुचला जाता है और फिर छानकर अलग कर लिया जाता है. इससे फलों में मौजूद फाइबर अलग हो जाता है. डाइटरी फाइबर शरीर का मेटाबॉलिज्म बढ़ाकर वेट लॉस में मदद करता है. यही कारण है कि जूस पीने से फाइबर के फायदे नहीं मिल पाते हैं.

भिलाई-दुर्ग में बिखरी ईद की खुशियाँ, ईदगाह सेक्टर 6 में नमाज ईद उल फितर की झलकियां

फ्लड लाइट क्रिकेट टूर्नामेंट 'एमएसपी कार्डिनल कप सीजन-9' का रंगारंग शुभारंभ

उद्घाटन मैच में पत्रकार एकादश पर पुलिस एकादश की जीत, पहला मैच डिजिटल क्रिएटर और इन्फ्लूएंसर के बीच हुआ

रायगढ़। शहर के खेल प्रेमियों का इंतजार खत्म हुआ और गुरुवार की रात दूधिया रोशनी में नहाए स्टेडियम में 'एमएसपी कार्डिनल कप सीजन-9' का भव्य शुभारंभ हुआ। रात्रिकालीन टेनिस बॉल क्रिकेट के इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट का आगाज न केवल खेल भावना के साथ हुआ, बल्कि प्रशासनिक और औद्योगिक जगत की दिग्गज हस्तियों की मौजूदगी ने समारोह में चार चांद लगा दिए।

टूर्नामेंट के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में एसएसपी शशि मोहन सिंह उपस्थित रहे। खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए उन्होंने खेल को अनुशासन और टीम भावना का सर्वश्रेष्ठ माध्यम बताया। उन्होंने आयोजन समिति की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन स्थानीय प्रतिभाओं को निखारने का एक बेहतरीन मंच प्रदान करते हैं। खिलाड़ी खेल भावना से खेलें और पूरा दमखम लगा दें। एक खिलाड़ी एक अनुशासित नागरिक बनता है। खेलों को बढ़ावा देने के लिए ऐसे आयोजन होते रहना चाहिए। विशिष्ट अतिथि के तौर पर एमएसपी प्लांट के प्रेसिडेंट वीएस सिंह और सीओओ बीके सिंह भी शामिल हुए। उन्होंने क्रिकेट के प्रति शहर के जुनून को देखते हुए खिलाड़ियों को अपनी शुभकामनाएं दीं और एमएसपी समूह की ओर से खेल गतिविधियों को प्रोत्साहित करने की प्रतिबद्धता दोहराई। अतिथियों ने पिच पर जाकर विधिवत पूजा-अर्चना की और बल्ला थामकर सांकेतिक रूप से टूर्नामेंट की शुरुआत की। उद्घाटन सत्र में एमएसपी प्रबंधन ने स्पष्ट किया कि उनका उद्देश्य केवल औद्योगिक विकास तक सीमित नहीं है, बल्कि वे सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत स्थानीय खेल प्रतिभाओं को एक राष्ट्रीय स्तर का मंच प्रदान करना चाहते हैं। विशिष्ट अतिथि श्री इंडस्ट्रीज के डायरेक्टर विकास अग्रवाल ने कहा कि रात्रिकालीन क्रिकेट का यह आयोजन युवाओं को अनुशासन, टीम भावना और स्वस्थ जीवनशैली की ओर प्रेरित करने की एक सशक्त कड़ी है। एमएसपी के प्रेसिडेंट वीएस सिंह ने मंच से कहा कि एमएसपी कार्डिनल कप का यह नौवां संस्करण न केवल मनोरंजन का साधन है, बल्कि यह शहर की एकता और खेल संस्कृति को भी प्रदर्शित करता है। पुलिस और पत्रकारों के बीच हुए पहले मैच ने टूर्नामेंट के लिए एक सकारात्मक और प्रतिस्पर्धी माहौल तैयार कर दिया है। अब नजरें आगामी मैचों पर टिकी हैं, जहाँ शहर की बेहतरीन टीमें खिताब के लिए पसीना बहाएंगी।

केवल एक खेल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि एक उत्सव

एमएसपी कार्डिनल कप के अध्यक्ष अरुण उपाध्याय ने बताया कि एमएसपी कार्डिनल कप का नौवां सीजन हमारे लिए केवल एक खेल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि एक उत्सव है जो पूरे शहर को एक सूत्र में पिरोता है। इस साल हमने डिजिटल क्रिएटर्स और इन्फ्लुएंसर्स को जोड़कर युवाओं को एक नया मंच देने की कोशिश की है, जिसे जनता का भरपूर प्यार मिल रहा है। हमारा उद्देश्य स्थानीय प्रतिभाओं को निखारना और रायगढ़ में खेल संस्कृति को बढ़ावा देना है। हम एसएसपी साहब और एमएसपी प्लांट प्रबंधन के आभारी हैं, जिनके सहयोग से यह आयोजन भव्य रूप ले सका है। आने वाले दिनों में क्रिकेट प्रेमियों को और भी रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे।

पत्रकारों ने मैच हारा पर दिल जीता

टूर्नामेंट का उद्घाटन मुकाबला बेहद दिलचस्प रहा, जो पत्रकार एकादश और पुलिस एकादश के बीच खेला गया। मैदान पर कलम के सिपाहियों और कानून के रखवालों के बीच रोमांचक भिड़ंत देखने को मिली। पत्रकार एकादश ने टॉस जीता और पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। टीम की शुरुआत खराब रही। सलामी बल्लेबाज मोहसिन खान और मनीष बिना खाता खोले ही पवेलियन लौट गए। पुलिस 11 के गेंदबाजों, विशेषकर रामचरण और डहरू ने शुरुआती झटके देकर विपक्षी टीम को बैकफुट पर धकेल दिया। मध्यक्रम में अमित गुप्ता (9 रन) और साकेत पांडेय (8 रन) ने पारी को संभालने की कोशिश की, लेकिन वे बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे। अंत में अभिषेक उपाध्याय के जरूरी 8 रन से टीम ने 8 ओवर में 48 रन बनाए। टीम के लिए सबसे सफल बल्लेबाज नीरज तिवारी रहे, जिन्होंने 16 गेंदों का सामना करते हुए 18 रनों की जुझारू पारी खेली। उन्हें पुष्पराज ने अनुज जायसवाल के हाथों कैच आउट कराया। 49 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पुलिस एकादश ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। वर्दीधारियों ने मैदान के चारों ओर शॉट लगाए और मैच पर अपनी पकड़ बनाए रखी। अनुशासन और सटीक तालमेल का परिचय देते हुए पुलिस एकादश ने मात्र 6 ओवरों में ही लक्ष्य हासिल कर लिया और उद्घाटन मैच अपने नाम कर लिया। डीएसपी उत्तम सिंह ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 22 गेंदों में 32 रन बनाएं जिसमें शानदार लगातार 2 छक्के शामिल हैं।

वो जिनके कारण टूर्नामेंट संभव हो पाया

कार्डिनल कप के सदस्य वीर सिंह ने बताया कि कार्डिनल कप में हमारी 3 महीने की मेहनत है और हमारे स्पॉन्सर हैं जिनके सहयोग के बिना यह टूर्नामेंट संभव नहीं है। स्पॉन्सर्स के कारण ही हमारा। यह टूर्नामेंट अब मध्य भारत के बड़े नाइट टूर्नामेंट में से एक बन गया है। हमारे स्पॉन्सर्स में एमएसपी, जिंदल स्टील, सिंघल ग्रुप, अदाणी फाउंडेशन, हरक्यूलिस, राजपूत इंडस्ट्रीज, विपुल ट्रैक्टर्स, फैशन पार्क, भगवती इंटरप्राइजेज, राज प्रिय हॉस्पिटल, सोलर टेक्नोलॉजी, आनंद इंटरप्राइजेज, टाटा शिवम मोटर्स, [लिटी रेस्टोरेंट, मोर डिजाइन, इनफोब्ज्ज, मोक्ष आईएएस, सुदर्शन सोलर, आइडल कंप्यूटर, द मसल फैक्ट्री, फिटनेस लाइन, एयर, मितान रिजॉर्ट, डॉ.पीयूष अग्रवाल, ईडन गार्डन, जिंदल बजाज, सुरभि डेयरी, होटल आउटर, बड़े ज्वेलर्स आदि।

श्री राणी सती दादी सेवा समिति के भंडारे में माता का प्रसाद पाने श्रद्धालुओं का लगा रहा रेला

चैत्र नवरात्रि के दूसरे दिन माता ब्रम्हचारिणी की हुई पूजा

रायगढ़। चैत्र नवरात्रि के दूसरे दिन शुक्रवार को माता भवानी के दूसरे स्वरूप ब्रह्मचारिणी देवी की पूजा हुई, जो तप, संयम और साधना का प्रतीक मानी जाती हैं। 'ब्रह्मचारिणी' का अर्थ है तपस्या का आचरण करने वाली। माता के एक हाथ में जपमाला और दूसरे हाथ में कमंडल होता है, जो एकाग्रता और साधना का संकेत देता है। जिनकी पूजा अर्चना करने से सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। श्री राणी सती दादी सेवा समिति की अभिनव पहल से चैत्र नवरात्रि के पावन पर्व में पूरे नौ दिनों तक शहर के बूढ़ी माई मंदिर परिसर में श्रद्धा से भव्य महाभंडारा का आयोजन किया जा रहा है। समिति की सभी सदस्यों ने दूसरे दिन बूढ़ी माई मंदिर में पूजा-अर्चना की। इसके पश्चात श्रद्धा की चुनरी पहनाकर माता भवानी को भोग अर्पण कर सभी ने आशीर्वाद लिया। तत्पश्चात महाभंडारा का शुभारंभ रोटरी क्लब ऑफ रोटेरियन कमलेश अग्रवाल ने रिबन काटकर किया। दादी समिति के सभी सदस्यों ने आज के कार्यक्रम में शामिल हुए सभी रोटेरियन सदस्यों का दुपट्टा पहनाकर व तिलक लगाकर आत्मीय सम्मान किया। इसके पश्चात महाभंडारा शुरु हुआ। अध्यक्ष कमलेश अग्रवाल ने कहा कि दादी समिति के इस धार्मिक आयोजन में आकर अत्यधिक खुशी हो रही है। समिति के लोग हमेशा नेक कार्य करते हैं। ऐसे ही आयोजन होना चाहिए।

अनवरत दोपहर तक चला महाभंडारा

दादी समिति के महाभंडारा के दूसरे दिन भी सुबह 10.30 बजे से दोपहर तक माता का प्रसाद पाने के लिए सैकड़ों श्रद्धालुओं का रेला लगा रहा। वहीं कार्यक्रम संयोजिका आशा - सुनील ने कहा कि माता के आशीर्वाद से हम सभी सदस्य मिलकर यह आयोजन विगत चार वर्षों से कर रहे हैं। यह वृहद आयोजन माता जगतजननी की कृपा से ही संभव हो रहा है। जिसे भव्यता देने में समिति अध्यक्ष रीना बापोड़िया, सचिव श्वेता अमित मोदी व कोषाध्यक्ष सीमा मुकेश, पूर्व अध्यक्ष ममता कमल अग्रवाल, रोमी निगानिया, सुभाष चिराग, संजय कालू सहित सभी सदस्यगण जुटे हैं। वहीं श्रद्धालुओं ने आज दूसरे दिन भी महाभंडारा आयोजन की बेहद सराहना की व दादी समिति के सभी सदस्यों को बधाई दी ।

रायगढ़ कॉलेज ऑफ फार्मेसी में हर्बल शैंपू एवं हैंड वॉश का सफल निर्माण

रायगढ़। रायगढ़ कॉलेज ऑफ फार्मेसी में बी. फार्मा 6वें सेमेस्टर (बी बैच) के विद्यार्थियों द्वारा हर्बल उत्पादों के क्षेत्र में एक सराहनीय उपलब्धि हासिल की गई। सहायक अध्यापक आकाश गुप्ता के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों के समूह—वरुण चौहान, विकास , पूर्णानंद , प्रकाश,उमेश, अभिजीत सोमेश एवं विभूति रेणुका व ग्रुप द्वारा प्रयोगशाला में सफलतापूर्वक हर्बल हैंड वॉश एवं हर्बल शैंपू का निर्माण किया गया।

यह प्रयोग न केवल विद्यार्थियों की व्यावहारिक दक्षता को दर्शाता है, बल्कि भविष्य में विभिन्न हर्बल उत्पादों के निर्माण के लिए एक मजबूत आधार (बेस) भी प्रदान करता है। इस सफलता से संस्थान में अनुसंधान एवं नवाचार को नई दिशा मिलने की संभावना है। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर प्राचार्य डॉ. डी.के. प्रधान, डॉ. हरीश गुप्ता एवं डायरेक्टर शक्ति अग्रवाल ने हर्ष व्यक्त करते हुए सभी को बधाई दी तथा भविष्य में और अधिक नवाचार करने के लिए प्रेरित किया। रायगढ़ कॉलेज ऑफ फार्मेसी निरंतर विद्यार्थियों को प्रायोगिक शिक्षा एवं शोध के क्षेत्र में प्रोत्साहित करते हुए नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर है।

अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की अध्यक्ष बनीं वंदना

रायगढ़। अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन रायगढ़ सत्र 2026 -2028 हिन्दू नववर्ष एवं नवरात्रि के प्रथम दिवस के पावन अवसर पर रामलीला मैदान स्थित दादू द्वारा मंदिर में पूर्व अध्यक्ष शोभा अग्रवाल ने नव निर्मित अध्यक्ष वन्दना बंसल को समिति के अध्यक्ष पद का भार सौंपा। वहीं श्रीमती वंदना बंसल के नवीन अध्यक्ष बनने के अवसर पर दादू द्वारा के समस्त सम्माननीय जन उपस्थित थे साथ ही लता सांवरिया, सुमन अग्रवाल, पुष्पा रतेरिया, किरण अग्रवाल एवं अन्य समिति सदस्यों व राष्टीय पद सुशोभित रेखा महमिया ने भी अध्यक्ष बनने पर बधाई दी। वहीं नव निर्मित टीम में सचिव पद पर पूजा अग्रवाल एवं मोना कंकर वाल है तथा कोषाध्यक्ष के पद पर रेखा अग्रवाल एवं अंजू अग्रवाल का चयनित हुई हैं।

सीसी रोड और तालाब सौंदर्यीकरण कार्यों में गुणवत्ता व समयसीमा को लेकर दिए निर्देश

तालाब एवं सौंदर्यीकरण विकास कार्यों का महापौर ने किया निरीक्षण

रायगढ़। नगर निगम क्षेत्र में जारी विकास कार्यों की निगरानी के तहत महापौर जीवर्धन चौहान ने वार्ड क्रमांक 32 एवं 34 फटहामुड़ा क्षेत्र का दौरा कर निर्माणाधीन कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सीसी रोड निर्माण एवं तालाब सौंदर्यीकरण कार्यों की प्रगति और गुणवत्ता का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान महापौर श्री चौहान फटहामुड़ा अंबेडकर नगर रोड पहुंचे, जहां लगभग 4.5 लाख रुपये की लागत से बन रही सीसी रोड का अवलोकन किया। उन्होंने अधिकारियों और ठेकेदार को निर्माण कार्य पूरी पारदर्शिता और निर्धारित मानकों के अनुरूप करने निर्देशित किया। इसके बाद महापौर श्री जीवर्धन ने फतटहामुड़ा तालाब में चल रहे सौंदर्यीकरण कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने आम नागरिकों को जल्द ही बेहतर सुविधाएं मिल सके इसके लिए कार्य में तेजी लाने और समयसीमा के भीतर पूर्ण करने के निर्देश दिए। महापौर श्री चौहान ने कहा कि राज्य के वित्तमंत्री ओपी चौधरी की मंशा के अनुरूप नगर निगम द्वारा शहर के सभी 48 वार्डों में तेजी से विकास कार्य कराए जा रहे हैं। प्रत्येक वार्ड में टिकाऊ एवं गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य सुनिश्चित करना प्राथमिकता है। तालाबों का सौंदर्यीकरण शहर की सुंदरता बढ़ाने के साथ पर्यावरण संरक्षण में भी अहम भूमिका निभाता है। इस दौरान उन्होंने विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की अनुशंसा करने की चेतावनी दी। निरीक्षण के दौरान कार्य से संबंधित ठेकेदार एवं इंजीनियर उपस्थित थे।

कुसमुरा महाविद्यालय में मनाया गया विश्व गौरैया दिवस

रायगढ़। नवीन शासकीय महाविद्यालय कुसमुरा के प्राणीशास्त्र विभाग द्वारा विश्व गौरैया दिवस के अवसर पर शुक्रवार को एक प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य छात्रों एवं आमजन में गौरैया जैसे छोटे पक्षियों के संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाना था । कार्यक्रम का संचालन प्राणीशास्त्र विभाग की सहायक प्राध्यापिका मिताली पटेल के मार्गदर्शन में किया गया। उन्होंने अपने संबोधन में गौरैया की घटती संख्या पर चिंता व्यक्त करते हुए सभी को इसके संरक्षण हेतु आगे आने के लिए प्रेरित किया । इस अवसर पर नोडल अधिकारी डॉ. तेजेश्वरी मंडावी द्वारा एक प्रेरणादायक भाषण दिया गया, जिसमें उन्होंने प्रकृति संरक्षण के महत्व को रेखांकित करते हुए, छात्रों को पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार बनने का संदेश दिया । कार्यक्रम के अंतर्गत एक रोचक प्रश्नोत्तरी क्विज् प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें रीति मिश्रा, आकांक्षा व गिरजा सिदार ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त किया व सभी छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। साथ ही, छात्रों को प्रकृति संरक्षण के लिए प्रेरित करते हुए यह संदेश दिया गया कि वे अपने घरों के आसपास पक्षियों के लिए दाना और पानी रखें तथा आस पास पौधों व वृक्षों को उगाने में योगदान दें, ताकि पक्षियों को सुरक्षित आवास मिल सके । यह आयोजन न केवल ज्ञानवर्धक रहा, बल्कि सभी के मन में प्रकृति और पक्षियों के प्रति संवेदनशीलता भी उत्पन्न करने में सफल रहा। इस अवसर पर समस्त महाविद्यालयीन स्टाफ विज्ञान संकाय के छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

कल होगी साक्षरता मूल्यांकन परीक्षा, सभी शिक्षार्थियों से शामिल होने की अपील

रायगढ़। शिक्षा व्यक्ति का जीवन बदलने की सबसे महत्वपूर्ण कुंजी है। समाज का कोई भी व्यक्ति अज्ञानता के अंधेरे में न रहे, यह हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी और सामाजिक दायित्व है। हम सब मिलकर यह सुनिश्चित करें कि हमारे आसपास, मोहल्ले, गांव और बस्तियों में एक भी व्यक्ति निरक्षर न रहे।
उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम, नई शिक्षा नीति के तहत संचालित एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसका उद्देश्य समाज में आजीवन सीखने की भावना विकसित करना, शिक्षा को सभी के लिए सुलभ बनाना तथा निरक्षरों को साक्षर बनाकर उन्हें ज्ञान और कौशल से जोड़ना है। इसी क्रम में कार्यक्रम से जुड़े शिक्षार्थियों के लिए बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान मूल्यांकन परीक्षा (एफएलएनएटी) का आयोजन आगामी 22 मार्च दिन रविवार को किया जाएगा। परीक्षा में शिक्षार्थी अपनी सुविधा अनुसार प्रात: 10 बजे से शाम 5 बजे के बीच शामिल हो सकते हैं, जिसके लिए प्रत्येक शिक्षार्थी को 3 घंटे का समय दिया जाएगा। कलेक्टर एवं अध्यक्ष जिला साक्षरता मिशन प्राधिकरण ने जिलेवासियों से अपील करते हुए कहा है कि इस अभियान में सहभागी बनें और अधिक से अधिक लोगों को परीक्षा में शामिल होने के लिए प्रेरित करें, ताकि जिले को पूर्णतः साक्षर बनाया जा सके।

वैभव ग्लास एंड एल्युमिनियम में चोरों का धावा, गल्ला से 50 हजार से अधिक रकम लेकर हुए फरार

वेंटिलेशन के रास्ते चोरों ने दुकान में किया प्रवेश, सीसीटीवी फुटेज में तीन आरोपियों की संलिप्तता उजागर

गैरेज लाईन मालवा होटल के पास लगातार बढ़ रही है चोरी की घटनाएं, व्यवसायियों में दहशत

नई दृष्टिबिंदु/दुर्ग । जीई रोड गैरेज लाईन में चोरी की बड़ी घटना सामने आई है। जिससे क्षेत्र के व्यवसायियों में दहशत का माहौल व्याप्त है। यहां मालवा होटल के पास स्थित वैभव ग्लास एंड एल्युमिनियम की दुकान में चोरों ने धावा बोलकर गल्ला में रखे 50 हजार से अधिक नगद रकम पर हाथ साफ कर फरार हो गए। यह घटना 16 और 17 मार्च की दरम्यानी रात की बताई गई है। चोर दुकान के वेंटिलेशन के रास्ते प्रवेश किए। इसके लिए चोरों द्वारा वेंटिलेशन में लगे एक्जास्ट फैन को तोड़ा गया और चोरी की घटना को अंजाम दी। चोरों का फिरहाल कुछ पता नहीं चल पाया है,लेकिन चोरों की यह करतुत दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। सीसीटीवी कैमरे से मिले फुटेज के आधार पर चोरी की घटना में तीन युवकों के शामिल होने का पता चला है। उनकी उम्र 17 से 20 वर्ष की बताई गई है। चोरों तक पहुंचने पुलिस सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाल रही है। इस मामले में दुकान संचालक दर्शन रतनानी की रिपोर्ट पर मोहननगर पुलिस द्वारा अज्ञात चोर के विरुद्ध बीएनएस की धारा 331(4) व 305 के तहत जुर्म दर्ज कर मामले को जांच पर लिया गया है।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक वैभव ग्लास एंड एल्युमिनियम दुकान का संचालन दर्शन रतनानी संत कंवरनगर सिंधी कॉलोनी वार्ड 24 का निवासी है। वह 16 मार्च की रात प्रतिदिन की तरह रात्रि 8 बजे अपने दुकान के शटर में ताला लगाकर वापस घर आ गया था। 17 मार्च की सुबह करीब 10 बजे उसने दुकान खोली तो उसे दुकान के पिछले हिस्से में लगे वेंटिलेशन का एक्जास्ट फैन टुटा व लटकते अवस्था में मिला। वहीं दराज का ताला टुटा मिला और उसमें रखा 50 हजार से अधिक नगदी रकम गायब मिला। यह देखकर दुकान संचालक को समझते देर नहीं कि रात में दुकान में चोरी हो गई है। उसके द्वारा तत्काल घटना की सूचना मोहननगर पुलिस थाना को दी गई। रिपोर्ट पर पुलिस द्वारा अज्ञात चोर के विरुद्ध जुर्म दर्ज कर मामले की जांच शुरु कर दी गई है।

क्षेत्र के व्यवसासियों ने बताया कि जीई रोड गैरेज लाईन शहर के व्यवसायिक क्षेत्रों में से एक है। मालवा होटल के पास यह चोरी की पहली घटना नहीं है। इसके पहले भी क्षेत्र में चोरी की घटनाएं सामने आ चुकी है, लेकिन चोरों के पकड़े नहीं जाने से उनके हौसले बुलंद है। जिसके चलते वे चोरी की घटनाओं को अंजाम दे रहे है। ऐसे चोरों पर शिकंजा कसने पुलिस को पेट्रोलिंग गश्त बढ़ाने की आवश्यकता है।

599 नग गैस सिलेण्डर और 2841 कि.ग्रा. एलपीजी जप्त

नई दृष्टिबिंदु/दुर्ग घारेलू गैस सिलेंडरों की आपूर्ति एवं वितरण को निर्बाध रूप से बनाये रखने के लिए जिले में निरंतर छापेमारी की कार्यवाही की जा रही है। जांच के क्रम में ग्राम पंचायत रसमड़ा के बोरई इंडस्ट्रीयल ग्रोथ सेंटर में स्थित पापुशा गैसेस प्रा.लि. की आकस्मिक जांच जिला खाद्य कार्यालय के अधिकारियों के द्वारा की गई। सार्वजनिक वितरण प्रणाली से भिन्न समानांतर विपणन प्रणाली के रूप में पापुशा गैसेस प्रा.लि. तथा कान्फिडेंस पेट्रोलियम इंडिया लिमिटेड के द्वारा कार्य किया जाना पाया गया। खाद्य नियंत्रक अनुराग भदौरिया से मिली जानकारी अनुसार फर्म की जांच में कुल 599 गैस सिलेंडर पाया गया।

आज का मौसम

तापमान (डिग्री सेल्सियस) आज का अनुमान

	न्यूनतम	अधिकतम
▪दुर्ग	20.0	32.0
▪भिलाई	20.0	32.0
▪रायपुर	20.0	32.0
▪बिलासपुर	21.0	33.0

मार्केट का मिजाज

▪सेंसेक्स	74,849.02	-1,855.11
▪निफ्टी50	23,191.30	-586.50
▪सोना	1,54,640.00	-2,780.00

राहुल गांधी के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी, एफआईआर दर्ज करवाने युकांई पहुंचे थाने

नई दृष्टिबिंदु/दुर्ग । लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गाँधी के विरुद्ध सांसद सुश्री कंगना रनौत द्वारा आपत्तिजनक टिप्पणी किए जाने पर युवा कांग्रेसियों ने आक्रोश जताया है। उन्होने गुरुवार को छत्तीसगढ़ प्रदेश युवा कांग्रेस के महामंत्री संदीप वोरा के साथ कोतवाली थाना पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई और एफआईआर की मांग की। शिकायत में युकांईयों ने कहा है कि सुश्री कंगना रनौत ने लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष के संबंध में अनर्गल एवं आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग किया है, जो न केवल एक संवैधानिक पद की गरिमा को ठेस पहुँचाता है, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों एवं संसदीय मर्यादा के भी प्रतिकूल है। इस दौरान युवा कांग्रेस के सन्नी, शशांक साहू,मोहित वालदे, जयप्रकाश साहू एवं अन्य युकांई मौजूद रहे।

स्वास्थ्य कर्मचारी से दुर्व्यवहार, डॉक्टर के खिलाफ लामबंद हुआ कर्मचारी संघ

नई दृष्टिबिंदु/दुर्ग । छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ ने कर्मचारी हित में आवाज बुलंद की है। संघ द्वारा चन्दूलाल चन्द्राकर स्मृति शासकीय चिकित्सालय महाविद्यालय दुर्ग के अधिष्ठाता को ज्ञापन सौंपकर दंत विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. एसके सांघा द्वारा महाविद्यालय के नियमित कर्मचारियों से दुर्व्यव्हार एवं धमकी देने की शिकायत कर कार्यवाही करने की मांग की गई है। इस संबंध में छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य प्रदेश कर्मचारी संघ के दुर्ग जिलाध्यक्ष सत्येन्द्र गुप्ता ने ज्ञापन के माध्यम से बताया कि चन्दूलाल चन्द्राकर स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय दुर्ग के अधीनस्थ दंतरोग विभाग में सह प्राध्यापक डॉ कुलदीप सिंह सांघा वर्तमान में महाविद्यालय की स्थापना शाखा प्रभारी अधिकारी है, उनके द्वारा 17 मार्च को संबंधित शाखा में कार्यरत प्रभारी लिपिक को दूरभाष के माध्यम से चिकित्सालय में बुलाकर दुर्व्यवहार करते हुए पदोन्नति रोक देने की धमकी दी गई थी। इसी प्रकार महाविद्यालय में कार्यरत नियमित कर्मचारियों के साथ उनके द्वारा आए दिन दुर्व्यव्हार की घटना सामने आते रहती है। पूर्व में इस महाविद्यालय के संबद्ध चिकित्सालय में कार्यरत नर्सिंग स्टाफ को भी अन्यत्र तबादला कर देने की धमकी दी गई थी। उनके दुर्व्यवहार और धमकी से महाविद्यालय में कार्यरत कर्मचारियों में भय का माहौल है। श्री गुप्ता ने ऐसी परिस्थिति में उन्हें महाविद्यालय के समस्त दायित्वों से हटाने की मांग की है, ताकि वे भविष्य में किसी भी कर्मचारियों के साथ दुर्व्यवहार न कर सके। छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के दुर्ग जिला अध्यक्ष सत्येन्द्र गुप्ता ने कहा है कि कर्मचारी हित में तत्काल इस प्रकरण को संज्ञान में लेकर कार्यवाही की जानी चाहिए, अन्यथा की स्थिति में कर्मचारी आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। अधिष्ठाता को ज्ञापन सौंपने के दौरान छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के केशवदास बंजारे, विनय सिंह, योगेन्द्र सिंह, सुनील चंद्राकर, चरण सिंह, भागीरथी डोंगरे, चैनसिंह चंद्राकर, आनंद यादव, बालकृष्ण तिवासी, भूषण नेताम, नेहा चंद्राकर के अलावा अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

48 निजी अस्पतालों को स्पष्टीकरण नोटिस जारी

नई दृष्टिबिंदु/दुर्ग । कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी अभिजीत के निर्देशानुसार नर्सिंग होम अधिनियम के अंतर्गत पंजीकृत तथा आयुष्मान योजना के अंतर्गत एम्पेनल्ड दुर्ग जिले के सभी निजी अस्पतालों का एक माह के भीतर भौतिक निरीक्षण कर यथा निर्धारित चेक लिस्ट अनुसार निरीक्षण कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने हेतु 04 निरीक्षण टीम का गठन किया गया था। मिली जानकारी अनुसार जिले में संचालित 124 निजी अस्पतालों के निरीक्षण उपरांत टीम द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट अनुरूप 48 अस्पतालों में कमी पाई गई, जिसके लिए 48 अस्पतालों को स्पटीकरण नोटिस जारी किया गया है।

कार्य में लापरवाही, निगम के प्रभारी स्वास्थ्य अधिकारी दुर्गेश गुप्ता निलंबित

नई दृष्टिबिंदु/दुर्ग । नगर पालिक निगम दुर्ग में कार्यरत प्रभारी स्वास्थ्य अधिकारी दुर्गेश गुप्ता को लापरवाही के आरोप में तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। इस संबंध में निगम आयुक्त द्वारा आदेश भी जारी कर दिया गया है। जारी आदेश के अनुसार निगम की सामान्य सभा के दौरान वार्ड क्रमांक 57 के पार्षद सरस कुमार निर्मलकर द्वारा शिकायत की गई थी कि उनके वार्ड के सफाई कर्मचारी 9 जनवरी से 15 जनवरी 2026 तक कार्य से अनुपस्थित रहे। इस मामले में प्रभारी स्वास्थ्य अधिकारी से स्पष्टीकरण मांगा गया था। प्राप्त जवाब में संतोषजनक स्पष्टीकरण नहीं मिलने तथा कार्यों के समुचित निरीक्षण एवं नियंत्रण में लापरवाही पाए जाने के कारण छत्तीसगढ़ सिविल सेवा(वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम 1966 के तहत कार्रवाई करते हुए उन्हें निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि के दौरान श्री गुप्ता को नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता दिया जाएगा तथा उनका मुख्यालय राजस्व विभाग निर्धारित किया गया है। बिना अनुमति मुख्यालय छोड़ने पर प्रतिबंध रहेगा। निगम प्रशासन की इस कार्रवाई को कार्य में लापरवाही के खिलाफ सख्त संदेश के रूप में देखा जा रहा है।

चंडी मंदिर पहुंचे वोरा, दुर्ग की समृद्धि के लिए की आराधना

नई दृष्टिबिंदु/दुर्ग। हिंदू नववर्ष एवं चैत्र नवरात्रि पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं दुर्ग के पूर्व विधायक अरुण वोरा गुरुवार को चंडी माता मंदिर पहुँचे, जहाँ उन्होंने विधि-विधान से माँ के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर उन्होंने दुर्ग शहर की सुख-समृद्धि, शांति और निरंतर विकास के लिए विशेष प्रार्थना की। दुर्ग स्थित चंडी माता मंदिर का अपना विशेष ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व है। यह मंदिर वर्षों से शहर की आस्था का प्रमुख केंद्र रहा है, जहाँ नवरात्रि के दौरान हजारों श्रद्धालु माँ चंडी के दर्शन के लिए पहुँचते हैं। श्री वोरा के साथ पूर्व महापौर आरएन वर्मा, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष राजकुमार पाली, विकास सापेकर, सुधीर चंदेल, कृष्ण यादव, राहुल अग्रवाल भी मंदिर पहुंचे थे। इस दौरान गिरधर शर्मा मौजूद रहे। सभी ने मिलकर माँ चंडी के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। मंदिर परिसर में 2700 ज्योत प्रज्वलित किए गए है। जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय और अलौकिक हो गया है। श्री वोरा ने कन्या भोज में भी सहभागिता निभाते हुए कन्याओं को भोजन प्रसाद वितरित किया और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

अवकाश के दिनों में भी खुले रहेंगे पंजीयन कार्यालय

नई दृष्टिबिंदु/दुर्ग । छग शासन के महानिरीक्षक पंजीयन एवं अधीक्षक मुद्रांक द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंतिम माह में राजस्व संग्रहण और नागरिकों को सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए अवकाश के दिनों में भी पंजीयन कार्यालयों को खुला रखने का निर्देश दिया गया है। आगामी छुट्टियों के दौरान पंजीयन कार्य की प्रक्रिया जारी रहेगी। जारी अधिसूचना के अनुसार, मार्च माह में पक्षकारों द्वारा कराए जाने वाले पंजीयन की अधिक संख्या को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है।

योद्धा नर्तन महोत्सव में यादवी शौर्य का बोलबाला, प्रतियोगिता में अहीर नृत्य मंडली दुर्ग ने मारी बाजी

गहिरा गुरु राजेश यादव के मार्गदर्शन में आयोजित महोत्सव में प्रदेशभर से जुटे समाज के लोग

नई दृष्टिबिंदु/दुर्ग यादव संघ मित्र कल्याण मंडल एवं राज्य शासन के संस्कृति विभाग के सहयोग से वार्ड क्रमांक 24 स्थित गहिरा गुरु धाम यादव सांस्कृतिक भवन में 21वां योद्धा-नर्तन (राऊत नाच) महोत्सव में प्रदेशभर के योद्धा नर्तन दल ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया और यादवी शौर्य का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में समाज के पदाधिकारियों ने छत्तीसगढ़ की पहली राउत नाच आधुनिकीकरण प्रशिक्षण शाला के निर्माण के लिए प्रधानमंत्री से 5 करोड़ रुपए और मुख्यमंत्री विकास निधि से 50 लाख रुपए की मांग की। योद्धा नर्तन महोत्सव की शुरुआत धर्म ध्वजा फहराकर की गई। पूर्व विधायक अरुण वोरा ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान भगवान कृष्ण की पूजा-अर्चना के बाद जय यादव-जय माधव के जयघोष के साथ अतिथियों का पारंपरिक अहीर पगड़ी, पीतांबरी गमछा और तेंदुसार फूल से स्वागत किया गया। अतिथि अरुण वोरा ने राज्यसभा सांसद फूलोदेवी नेताम के माध्यम से सांस्कृतिक भवन विस्तार के लिए 10 लाख रुपए दिलाने का आश्वासन दिया तथा मोतीलाल वोरा की स्मृति में वाटर फिल्टर मशीन देने की घोषणा की। मंत्री गजेंद्र यादव की अनुपस्थिति में उनके प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री निधि से छात्रावास और लाइब्रेरी के लिए 25 लाख रुपए दिलाने का भरोसा दिलाया। सांसद विजय बघेल को राऊत नाच प्रशिक्षण शाला के लिए आर्थिक सहायता का पत्र भी सौंपा गया। जिस पर उन्होंने सहयोग का भरोसा दिलाया। यह महोत्सव यादव समाज के गहिरा गुरु राजेश यादव के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। राजेश यादव ने कहा कि लोक संस्कृति समाज की पहचान होती है और संगठित समाज ही मजबूत राष्ट्र का निर्माण करता है। समाज का एकजुट रहना समय की मांग है, क्योंकि एकता में ताकत होती है। प्रतियोगिता में बैगापारा दुर्ग की अहीर नृत्य मंडली प्रथम, खजरी घूमका राजनांदगांव द्वितीय और दीपक नगर दुर्ग तृतीय स्थान पर रही। महिला दल, बाल-गोपाल मंडली तथा बांस गीत पार्टी सहित कई समूहों को नगद पुरस्कार और शील्ड देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में कमलेश यादव, माथूर यादव, उमराव यादव, हर्ष हिंद यादव, त्रिवेणी यादव, शिव यादव सहित बड़ी में यादव समाज के लोग मौजूद रहे।

अग्रसेन चौक की 6 दुकानें सील

नई दृष्टिबिंदु/दुर्ग । बकाया किराया वसूली को लेकर आयुक्त सुमित अग्रवाल के निर्देश पर निगम प्रशासन द्वारा सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में गुरुवार को अग्रसेन चौक स्थित निगम द्वारा आबंटित दुकानों में लंबे समय से किराया जमा नहीं करने वाले दुकानदारों के विरुद्ध बाजार विभाग की टीम ने सीलबंदी की कार्रवाई की। निगम अधिकारियों द्वारा पूर्व में संबंधित दुकानदारों को कई बार नोटिस जारी कर किराया जमा करने के निर्देश दिए गए थे, इसके बावजूद किराया जमा नहीं किए जाने पर सख्त कदम उठाते हुए दुकानों को सील कर दिया गया।

भैय्याराम साहू का निधन

नई दृष्टिबिंदु/दुर्ग । कसारीडीह आजाद चौक निवासी बीएसपी के सेवानिवृत्त कर्मचारी भैय्याराम साहू 90वर्ष का गुरुवार को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार बोरसी बेथनी कॉलेज के पीछे स्थित मुक्तिधाम में किया गया। वे चेतनलाल साहू, तामेश्वर साहू, सुरेश साहू व दीपक साहू के पिताजी थे। स्व. भैय्याराम साहू के अंतिम संस्कार कार्यक्रम में गणमान्य नागरिकों ने शामिल होकर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

पीआरजीआई सं.-CTHIN/25/A3746 यह हिंदी सांध्य दैनिक समाचार पत्र नई दृष्टिबिंद स्वामी एवं प्रकाशक आलोक तिवारी द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 से मुद्रित करवा कर। 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से प्रकाशित संपादक आलोक तिवारी मो. 7415469100 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारण न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।